प्रगति पुंज

चतुर्थ संस्करण

वार्षिक पत्रिका 2025-26

उत्तराखंड राजकीय पॉलीटेक्निक संस्थान कोटाबाग (नैनीताल)

स्थापित 18.10.2003

उद्यमेन हिं सिंध्यति

देवभूमि रजत उत्सव
उत्तराखण्ड राज्य

मेरा भारत,
GPKTM
G.P. KTM

प्रगति पुंज

चतुर्थ संस्करण

वार्षिक पत्रिका 2025-26

(संरक्षक)
सुमित कुमार सिंह
(प्रधानाचार्य)

(प्रधान संपादक)
चेतना चौहान धपोला
विभागाध्यक्ष (बेसिक साइंस)

(सह संपादक)
आशीष भारद्वाज (व्याख्याता इलैक्ट्रॉनिक्स इंजी०)

(छात्र संपादक)
रिया परिहार, कम्प्यूटर साइंस एंड इंजी० (अंतिम वर्ष)
कृष्णा रावत, इलेक्ट्रॉनिक्स इंजी० (अंतिम वर्ष)
दिव्य बुढ़लाकोटी, कम्प्यूटर साइंस एंड इंजी० (द्वितीय वर्ष)
कमल चन्द्र, इलेक्ट्रॉनिक्स इंजी० (द्वितीय वर्ष)
रिया, कम्प्यूटर साइंस एंड इंजी० (प्रथम वर्ष)
प्रियांशु पुरी, इलेक्ट्रॉनिक्स इंजी० (प्रथम वर्ष)

उत्तराखण्ड राजकीय पॉलीटेक्निक संस्थान कोटाबाग (नैनीताल)

प्रपत्र 4

(नियम- 8 के अंतर्गत)

1. प्रकाशक का स्थान – उत्तराखण्ड राजकीय पॉलीटेक्निक संस्थान कोटाबाग नैनीताल
2. प्रकाशन का समयान्तर – वार्षिक
3. मुद्रक – श्रीहरि प्रिन्टर्स, हल्द्वानी (नैनीताल)
4. प्रकाशक – श्री सुमित कुमार सिंह
   पद – प्रधानाचार्य
   राष्ट्रीयता – भारतीय
   पता – उत्तराखण्ड राजकीय पॉलीटेक्निक संस्थान कोटाबाग (नैनीताल)
5. प्रधान संपादक – चेतना चौहान धपोला
   पद – विभागाध्यक्ष
   राष्ट्रीयता – भारतीय
   पता – उत्तराखण्ड राजकीय पॉलीटेक्निक संस्थान कोटाबाग (नैनीताल)

मैं एतद्द्वारा घोषणा करती हूँ कि मेरी जानकारी के अनुसार उपरोक्त सभी सूचनाएं सत्य हैं।

दिनांक : 21 जून 2026

चेतना चौहान धपोला
(प्रधान संपादक)

देश राज
निदेशक

निदेशालय प्राविधिक शिक्षा उत्तराखण्ड
श्रीनगर (पौड़ी गढ़वाल)

दूरभाष – 01346–250169/251937 (कार्यालय)
– 01346–250168 (फैक्स)

अर्द्ध0शा0 पत्रांक : 12106/नि0प्रा0शि0/शुभ संदेश/2025–26

श्रीनगर : दिनांक : 23–03–2026

:: संदेश ::

प्रिय श्री सुमित कुमार सिंह,

अत्यन्त हर्ष का विषय है कि उत्तराखण्ड राजकीय पॉलीटेक्निक संस्थान, कोटाबाग, अपनी वार्षिक पत्रिका "**प्रगति पुंज**" के चतुर्थ संस्करण का प्रकाशन करने जा रहा है। इस सराहनीय प्रयास हेतु संस्थान के छात्रगण, संपादक मण्डल तथा इससे जुड़े आप सभी बधाई के पात्र हैं।

आज के तीव्र गति से बदलते तकनीकी और डिजिटल युग में शिक्षा का उद्देश्य केवल ज्ञान अर्जन नहीं, बल्कि चरित्र, दृष्टि और रचनात्मक सोच का विकास भी है। गुणवत्तापूर्ण तकनीकी शिक्षा के साथ मानवीय मूल्यों का समन्वय ही ऐसे जागरूक और उत्तरदायी नागरिकों का निर्माण करता है, जो समाज और राष्ट्र को नई दिशा दे सकें।

मुझे आशा है कि यह पत्रिका छात्र–छात्राओं में वैचारिक अभिव्यक्ति, सांस्कृतिक विरासत और सामाजिक सरोकार जैसे मूल्यों को विकसित करेगी तथा उन्हे अपनी रचनात्मकता और विचार प्रस्तुत करने का उत्कृष्ट अवसर देगी।

अतः मैं इस संस्था पत्रिका के सफल प्रकाशन हेतु अपनी शुभकामनाएँ प्रेषित करता हूँ तथा संस्थान के समस्त छात्र–छात्राओं के उज्जवल, यशस्वी एवं सृजनशील भविष्य की मंगलकामना करता हूँ। इस स्वर्णिम अवसर पर आप सभी को मेरी तथा निदेशालय परिवार की ओर से हार्दिक शुभकामनाएँ।

भवनिष्ठ

(देश राज)

श्री सुमित कुमार सिंह
प्रधानाचार्य
उत्तराखण्ड राजकीय पॉलीटेक्निक संस्थान कोटाबाग।

आलोक मिश्रा
संयुक्त निदेशक

निदेशालय प्राविधिक शिक्षा उत्तराखण्ड
श्रीनगर, (पौड़ी गढ़वाल)

दूरभाष :– 01346–250169 / 251937 (कार्यालय)
– 01346–250168 (फैक्स)

अर्द्ध०शा० पत्रांक :– 11053 /नि०प्रा०शि०/शुभ संदेश/2025–26
श्रीनगर : दिनांक : 19.02.2026

: संदेश :

प्रिय श्री सुमित कुमार सिंह,

अत्यन्त हर्ष का विषय है कि उत्तराखण्ड राजकीय पॉलीटेक्निक संस्थान, कोटाबाग, अपनी वार्षिक पत्रिका **''प्रगति पुंज''** के चतुर्थ संस्करण का प्रकाशन करने जा रहा है। इस सराहनीय प्रयास हेतु संस्थान के छात्रगण, संपादक मण्डल तथा इससे जुड़े आप सभी हार्दिक बधाई के पात्र हैं।

छात्र–छात्राओं में तकनीकी शिक्षा का उच्चकोटि का गुणवत्तापूर्ण एवं व्यवहारोपयोगी ज्ञान विकसित होने के साथ–साथ उनमें सुदृढ़ चारित्रिक, नैतिक एवं मानवीय मूल्यों का समुचित संवर्धन भी सुनिश्चित किया जाए। तीव्रगामी रूप से परिवर्तित होते वैश्विक परिदृश्य, अत्याधुनिक प्रोद्योगिकी तथा अन्तर्जाल के इस आधुनिक युग में विद्यार्थियों में विज्ञान एवं तकनीकी के प्रति गहन अभिरूचि, अनुसंधानशीलता तथा नवाचार–चेतना का विकास नितान्त अपेक्षित है।

मुझे दृढ़ विश्वास है कि पत्रिका छात्र–छात्राओं की वैचारिक अभिव्यक्ति को प्रखरता प्रदान करेगी तथा भारतीय सांस्कृतिक विरासत, सामाजिक दायित्व, राष्ट्रीय चेतना एवं अनेकता में एकता जैसे शाश्वत सामाजिक आदर्शों के संरक्षण एवं संवर्धन में महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन करेगी।

मैं पत्रिका के सफल प्रकाशन हेतु शुभकामनाऐं प्रेषित करता हूँ तथा छात्र/छात्राओं के उज्जवल भविष्य की कामना करता हूँ। इस अवसर पर आप सभी को मेरी एवं निदेशालय परिवार की ओर से हार्दिक शुभकामनाएँ।

भवनिष्ठ

आलोक मिश्रा

श्री सुमित कुमार सिंह
प्रधानाचार्य
उत्तराखण्ड राजकीय पॉलीटेक्निक संस्थान कोटाबाग।

एस०के० वर्मा
उप निदेशक

निदेशालय प्राविधिक शिक्षा उत्तराखण्ड
श्रीनगर (पौड़ी गढ़वाल)

दूरभाष – 01346–250169 / 251937 (कार्यालय)
– 01346–250168 (फैक्स)

अर्द्ध0शा0 पत्रांक : 11052 / नि0प्रा0शि0 / शुभ संदेश / 2025–26

श्रीनगर : दिनांक : 19–02–2026

:: संदेश ::

प्रिय श्री सुमित कुमार सिंह

मुझे यह जानकर अत्यन्त हर्ष एवं प्रसन्नता हो रही है कि उत्तराखण्ड राजकीय पॉलीटेक्निक संस्थान, कोटाबाग अपनी वार्षिक पत्रिका ''**प्रगति पुंज**'' के चतुर्थ संस्करण का प्रकाशन करने जा रहा है। इस सराहनीय प्रयास हेतु संस्थान के छात्रगण, सम्पादक मण्डल एवं आप सभी हार्दिक बधाई के पात्र हैं।

संस्थान के छात्र–छात्राओं में तकनीकी शिक्षा के गुणवत्तापूर्ण एवं व्यवहारिक ज्ञान के साथ–साथ सुदृढ़ चारित्रिक एवं नैतिक मूल्यों का समावेश अत्यावश्यक है। तीव्र गति से परिवर्तित हो रहे वैश्विक परिदृश्य, आधुनिक प्रौद्योगिकी तथा इंटरनेट के इस युग में विद्यार्थियों में विज्ञान एवं तकनीकी के प्रति विशेष अभिरूचि, जिज्ञासा एवं नवाचार–बोध का विकास होना समय की महती आवश्यकता है।

मुझे पूर्ण विश्वास है कि यह पत्रिका छात्र–छात्राओं में वैचारिक अभिव्यक्ति को सशक्त बनाएगी तथा सांस्कृतिक विरासत, सामाजिक सरोकार, राष्ट्रीय चेतना एवं अनेकता में एकता जैसे शाश्वत सामजिक मूल्यों के संरक्षण एवं संवर्धन में महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन करेगी।

मैं पत्रिका के सफल प्रकाशन हेतु अपनी हार्दिक शुभकामनाऐं प्रेषित करता हूँ तथा संस्थान के समस्त छात्र–छात्राओं के उज्जवल, सृजनशील एवं सफल भविष्य की मंगलकामना करता हूँ। इस शुभ अवसर पर आप सभी को मेरी एवं निदेशालय परिवार की ओर से हार्दिक शुभेच्छाएँ।

भवनिष्ठ

(एस. के. वर्मा)

श्री सुमित कुमार सिंह
प्रधानाचार्य
उत्तराखण्ड राजकीय पॉलीटेक्निक संस्थान कोटाबाग।

प्रधानाचार्य का संदेश

प्रिय विद्यार्थियों,

मुझे अत्यन्त हर्ष हो रहा है कि हमारे संस्थान की वार्षिक पत्रिका ''प्रगति पुंज'' के चतुर्थ संस्करण का प्रकाशन हो रहा है। यह पत्रिका केवल शब्दों का संग्रह नहीं, बल्कि हमारे विद्यार्थियों की प्रतिभा, रचनात्मकता, परिश्रम और उपलब्धियों का दर्पण है।

हमारी संस्था का उद्देश्य केवल शैक्षणिक ज्ञान प्रदान करना ही नहीं, बल्कि विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास को सुनिश्चित करना भी है। शिक्षा के साथ–साथ साहित्य, कला, खेल और सामाजिक गतिविधियों में सहभागिता विद्यार्थियों के व्यक्तित्व को निखारती है। इस पत्रिका के माध्यम से विद्याथियों को अपनी अभिव्यक्ति को साकार रूप देने का अवसर मिला है, जो अत्यंत सराहनीय है।

मैं उन सभी विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं कर्मचारियों को बधाई देता हूँ, जिन्होंने अपने लेख, कविताओं, संस्मरण आदि का रचनात्मक योगदान देकर इस पत्रिका को समृद्ध बनाया है। साथ ही, संपादकीय टीम एवं सभी सम्बन्धित सदस्यों के अथक प्रयासों की भी मैं सराहना करता हूँ।

मुझे विश्वास है कि यह पत्रिका पाठकों के लिए प्रेरणास्रोत सिद्ध होगी और भविष्य में भी हमारे विद्यार्थी इसी प्रकार उत्कृष्ठता की नई ऊँचाइयों को प्राप्त करेंगे।

आप सभी को उज्जवल भविष्य की शुभकामनाऐं।

धन्यवाद।

(सुमित कुमार सिंह)
प्रधानाचार्य,

सम्पादकीय

हमारे प्रतिष्ठित संस्थान की वार्षिक पत्रिका के इस नवीन अंक को आपके समक्ष प्रस्तुत करते हुए मुझे हर्ष और गर्व का अनुभव हो रहा है। यह पत्रिका केवल शब्दों का संकलन नहीं, बल्कि हमारे संस्था परिवार की रचनात्मक, परिश्रम और सामूहिक प्रतिभा का जीवंत दर्पण है।

शिक्षा का उद्देश्य केवल पाठ्यक्रम तक सीमित नहीं होता, इसका वास्तविक अर्थ व्यक्तित्व के समग्र विकास में निहित है। हमारे संस्थान में विद्यार्थियों को शैक्षणिक उत्कृष्ठता के साथ-साथ साहित्य, कला, विज्ञान, खेल और सामाजिक सेवा जैसे विविध क्षेत्रों में अपनी प्रतिभा निखारने के अवसर प्रदान किये जाते हैं। इसी बहुआयामी विकास का साकार रूप यह पत्रिका है, जिसमें विद्यार्थियों की रचनाएँ, लेख, कविताएँ, कहानियाँ, चित्रकला और विभिन्न गतिविधियों की झलक सम्मिलित है।

इस वर्ष का शैक्षणिक सत्र अनेक उपलब्धियों और चुनौतियों से भरा रहा। हमारे विद्यार्थियों ने परीक्षाओं में उत्कृष्ट परिणाम प्राप्त किए और विभिन्न राज्य स्तर की प्रतियोगिताओं में भाग लेकर संस्था का नाम गौरवान्वित किया। साथ ही, सांस्कृतिक कार्यक्रमों, सेमीनारों और कार्यशालाओं के माध्यम से ज्ञान और अनुभव के नए आयाम स्थापित किए गए। इन सभी उपलब्धियों का समुचित विवरण इस अंक में संकलित है, जो आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणास्रोत बनेगा।

पत्रिका का यह मंच विद्यार्थियों को अपने विचार व्यक्त करने की स्वतंत्रता प्रदान करता है। यहाँ वे सामाजिक मुद्दों, पर्यावरण संरक्षण, तकनीकी प्रगति, नैतिक मूल्यों और समसामयिक विषयों पर अपने दृष्टिकोण साझा करते हैं। यह न केवल उनकी अभिव्यक्ति क्षमता को सशक्त बनाता है, बल्कि उनमें आत्म विश्वास और जिम्मेदारी की भावना भी विकसित करता है।

मैं इस अवसर पर संस्था के प्रधानाचार्य, संपादक मंडल के सदस्यों, छात्र-छात्राओं, लेखकों और उन सभी सहयोगियों का हार्दिक आभार व्यक्त करती हूँ जिन्होंने इस पत्रिका को सफल बनाने में अपना अमूल्य योगदान दिया।

आशा है कि यह अंक पाठकों को ज्ञानवर्धक, प्रेरणादायक और मनोरंजक अनुभव प्रदान करेगा। आपके सुझाव और प्रतिक्रियाएँ हमारे लिए सदैव स्वागत योग्य हैं। क्योंकि इन्हीं के माध्यम से हम भविष्य में और बेहतर प्रयास कर सकेंगे।

धन्यवाद।

सम्पादक
चेतना चौहान धपोला
विभागाध्यक्ष (बेसिक साइंस एंड ह्यूमेनिटीज)
उत्तराखण्ड राजकीय पॉलीटेक्निक संस्थान, कोटाबाग

अनुक्रमणिका

क्र.सं.	शीर्षक	लेखक	पृ.सं.
01.	संस्था का संक्षिप्त ऐतिहासिक परिचय	-	09
02.	स्टाफ सूची	-	10
03.	Vision & Mission of the College	-	11
04.	Connecting Circuits, Powering Futures	Vivek Kumar, H.O.D., Electronics Engg.	19
05.	कौशल आधारित शिक्षा बनाम डिग्री आधारित शिक्षा	अभिषेक कुमार	23
06.	क्वांटम कंप्यूटिंग : भविष्य की सुपरपावर तकनीक	कमल चन्द्र	24
07.	जीवन की राह	आशुतोष लोहनी	25
08.	Beyond The Classroom	Suhani Patwal	26
09.	You can	Seema Bohra	27
10.	Use of Artificial Intelligence in Modern Times	Rajesh Kohali, Lecturer	28
11.	Goldan Three Years of College	Nisha Dasila	29
12.	You Are A Flame	Bhanu Kothari	29
13.	पलायन : एक अनकहा दर्द	रिया	30
14.	Recent Trends in Engineering Chemistry	Chetana Chawhan Dhapola H.O.D. Basic Science	31
15.	Today's Girl : Not Just Strong, But Smart, Confident & Independent	Rashmi Bohara	33
16.	सिलिकॉन संप्रभुता	आशीष भारद्वाज, व्याख्याता	37
17.	Placement Report	-	41
18.	The Threshold	Bhumika Arya	42
19.	देवभूमि उत्तराखण्ड	गुंजन खोलिया	43
20.	कृषि में इलेक्ट्रोनिक्स का उपयोग	प्रियांशु जन्तवाल	44
21.	सोशल मीडिया का प्रभाव	प्रियंका ध्यानी	45
22.	Virat Kohli - The Run Machine of Indian Cricket	Neel Nainwal	46
23.	Situations Of Life	Divy Budhalakoti	46
24.	सोमेश्वर	प्रियांशु भट्ट	47
25.	युवा शक्ति और राष्ट्र निर्माण	नीलम तिवारी	48
26.	Education Beyond Book	Priya Sharma	48
27.	परीक्षा तनाव और मानसिक स्वास्थ्य	कोमल बोरा	49
28.	गिरने के नियम	कमल पलड़िया	49
29.	Dare to Dream / मेहनत का फल	Tapasya Bisht / सौरभ जलाल	50
30.	सच्चा राही / Life	दीपक बिष्ट / Bhaskar Joshi	51
31.	संघर्ष की सच्ची जीत	हिमांशु नेगी	52
32.	Your Best / डिजिटल इण्डिया	Sanjay Kumar / रूद्र गरजोला	53
33.	Naver give up / आत्म-प्रेरणा सशक्तिकरण का स्रोत है	Anjali Mahara / टीना तिवारी	54
34.	सौर ऊर्जा	युवराज सिंह	55
35.	Poem : Quiet and believe	Tanuja Bisht	56
36.	उड़ान की शुरुआत / हार और जीत	हिमानी जोशी / दीपक पाण्डे	57
37.	Social Media वरदान या अभिशाप	दीपांशु बिष्ट	58
38.	Electronic Vehicle (Electric Vehicle)	विशाल आर्या	59
39.	मन पर नियन्त्रण / Cyber Security	अभिषेक सती / Krishna Adhikari	60
40.	Annual Sports Meet 2025-26	-	61

: संस्था का संक्षिप्त ऐतिहासिक परिचय :

उत्तराखण्ड राजकीय पॉलीटेक्निक संस्थान कोटाबाग (नैनीताल) की स्थापना 18 अक्टूबर 2003 माननीय भूतपूर्व मुख्यमंत्री स्व० श्री नारायण दत्त तिवारी द्वारा तकनीकी शिक्षा में महिलाओं की सहभागिता बढ़ाने के उद्देश्य से की गयी।

शैक्षणिक वर्ष 2004–05 में संस्था को AICTE का अनुमोदन मिलने के उपरान्त कम्प्यूटर साइंस एवं इलेक्ट्रानिक्स इंजीनियरिंग ब्रांच में 40–40 की प्रवेश क्षमता के साथ संस्था का संचालन राजकीय इण्टर कालेज कोटाबाग परिसर में स्थित मिनी आई० टी० आई० के भवन में प्रारम्भ किया गया। वर्ष 2005 में शासन द्वारा संस्था को 2.0234 हैक्टेयर वन भूमि आबंटित की गयी। वर्ष 2009 से संस्था अपने स्वयं के भवन में संचालित हो रही है। 2 फरवरी 2011 को संस्था का नाम राजकीय महिला पॉलीटेक्निक से राजकीय पॉलीटेक्निक कोटाबाग कर दिया गया तथा वर्तमान में संस्था को सह शिक्षा (को एड) संस्थान के रूप में संचालित किया जा रहा है।

संस्था कोटाबाग ब्लॉक के पाण्डेगाँव नामक स्थान पर कालाढुंगी–रामनगर मुख्य मोटरमार्ग से 17 किमी० दूरी पर स्थित है। हल्द्वानी से 40 किमी० तथा नैनीताल से 52 किमी० की दूरी पर स्थित यह संस्थान वर्तमान में छात्र–छात्राओं को तकनीकी शिक्षा उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

क्र.सं.	पाठ्यक्रम का नाम	प्रारम्भ वर्ष	अवधि	प्रवेश क्षमता (वर्तमान में)
1.	कम्प्यूटर साइंस एण्ड इंजीनियरिंग	2004	त्रिवर्षीय	30
2.	इलैक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग	2004	त्रिवर्षीय	30

- ✦ संस्था से निकटतम रेलवे स्टेशन हल्द्वानी—काठगोदाम एवं एयरपोर्ट पंतनगर है।
- ✦ समुद्र तल से ऊँचाई 1200 मीटर है।
- ✦ ईमेल आई०डी० — gpkotabagh@gmail.com
- ✦ वेबसाइट — www.gpkotabagh.org.in
- ✦ सम्पर्क — 05947-285453, 8887561190

प्रधानाचार्य
उत्तराखण्ड राजकीय पॉलीटेक्निक संस्थान
कोटाबाग

स्टाफ सूची

क्र.सं.	कार्मिक का नाम	पदनाम	मोबाइल नं०
1.	श्री सुमित कुमार सिंह	प्रधानाचार्य	9412325929
2.	श्री विवेक कमार	विभागाध्यक्ष इलै० इंजी०	9412944295
3.	श्री संजय कुमार	विभागाध्यक्ष कम्प्यूटर साइंस	9412100811
4.	श्रीमती चेतना चौहान धपोला	विभागाध्यक्ष बेसिक साइंस	9927643580
5.	श्री आशीष भारद्वाज	व्याख्याता, इलैक्ट्रॉनिक्स इंजी०	9557606422
6.	श्री राजेश कोहली	व्याख्याता कम्प्यूटर साइंस	9997677983
7.	श्रीमती ईरा रावत	कर्मशाला अनुदेशक	9917322544
8.	श्री चारु चन्द्र पाण्डे	कर्मशाला अनुदेशक	9012777255
9.	श्री प्रकाश नाथ गोस्वामी	प्रधान सहायक	7088731829
10.	श्रीमती नीलम वर्मा	वरिष्ठ सहायक	9837205267
11.	श्री मनोज कुमार	वरिष्ठ सहायक	8171148495
12.	श्रीमती विमला देवी	चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी	7579141185
13.	श्रीमती मीनाक्षी खनी	व्याख्याता कम्प्यूटर साइंस एण्ड इंजी (आउटसोर्स)	8954269328
14.	श्रीमती लता जोशी	व्याख्याता इलेक्ट्रोनिक्स इंजी (आउटसोर्स)	9899581228
15.	श्री धर्मेन्द्र जोशी	व्याख्याता भौतिकी (आउटसोर्स)	9456144036
16.	कु० शिवानी यादव	व्याख्याता गणित (आउटसोर्स)	8077967846
17.	श्री प्रताप सिंह बिष्ट	पी०आर०डी०	9456175930
18.	श्री दिनेश सिंह बजवाल	पी०आर०डी०	9149213931
19.	श्री चन्द्र प्रकाश उपाध्याय	पी०आर०डी०	9917282977
20.	श्री पानदेव काण्डपाल	पर्यावरण मित्र (आउटसोर्स)	6397443089

दिनांक 21/06/2026

Vision

TO BE A RESPECTED AND SOUGHT AFTER TECHNICAL INSTITUTION ENGAGED IN EQUIPPING INDIVIDUALS CAPABLE OF FULFILLING THE NEEDS OF SOCIETY & INDUSTRY.

Mission

TO DEVELOP TOMORROW'S TECHNICAL LEADERS & ENTERPRENEURS THROUGH INSPIRATIONALAND CREATIVE TEACHING THAT MOTIVATES STUDENTS TO ASSIMILATE, ANALYSE AND APPLY RELEVANT KNOWLEDGE AND SKILLS VALUED BY INDUSTRY AS WELLAS SOCIETY.

Staff Members

Sitting Row (L to R)

1. Mrs. Vimla Devi (Peon)
2. Mrs. Neelam Verma (SeniorAssistant)
3. Mrs. Chetana Chauhan Dhapola (HOD)
4. Mr. Sumit Kumar Singh (Principal)
5. Mr. Vivek Kumar (HOD)
6. Mr. Ashish Bhardwaj (Lecturer)
7. Mr. Rajesh Kohli (Lecturer)
8. Mr. Dharmendra Joshi (Lecturer)

Standing Row (L to R)

1. Mrs. Era Rawat (Workshop Inst.)
2. Mr. Pan Dev Kandpal (Paryavaran Mitra)
3. Mrs. Shivani Yadav (Lecturer)
4. Mrs. Meenaxi Khani (Lecturer)
5. Mrs. Lata Joshi (Lecturer)
6. Mr. Prakash Nath Goswami (Head Assistant)
7. Mr. Manoj Kumar (Senior Assistant)
8. Mr. Pratap Singh Bisht (PRD)
9. Mr. Charu Chandra Pandey (Workshop Inst.)

Editorial Board

Sitting Row (L to R)

1. Mrs. Chetna Chauhan Dhapola (Editor in Chief)
2. Mr. Sumit Kumar Singh (Patron)
3. Mr. Ashish Bhardwaj (Co-editor)

Standing Row (L to R)

1. Mr. Priyanshu Puri (Student editor)
2. Miss. Riya (Student editor)
3. Miss. Riya Parihar (Student editor)
4. Mr. Krishna Singh Rawat (Student editor)
5. Mr. Kamal Chandra (Student editor)
6. Mr. Divy Budhalakoti (Student editor)

Republic Day

C.S.E. Final Year

Electronics Engg. Final Year

C.S.E. IInd Year

Electronics Engg. IInd Year

C.S.E. Ist Year

Electronics Engg. Ist Year

Industrial Visit

Connecting Circuits, Powering Futures.

Introduction : The Spark of Innovation

As the academic year 2025-26 concludes, the Department of Electronics Engineering reflects on a journy defined by curiosity and technical rigor. From our first encounter with Ohm's Law to designing complex embedded systems, we haveevolved from students into engineering ready to bridge the gap between theory and the real world.

Academic Milestones : Mastering the Core :

Our curriculum this year pushed boundaries, focusing on essential skills that define modern electronics :

* **Circuit Mastery :** We delved deep into analog and digital electronics, mastering the art of signal processing and VLSI design.
* **Hands-on Learning :** Laboratory sessions were the heart of our department, where we spent hours troubleshooting hardware and perfecting circuit board designs.
* **Specialized Expertise :** Many students explored niche are as such as microwave engineering, control systems and industrial automation.

Innovation in Action : Senior Projects

This year's capstone projects showcased remarkable creativity, Sustainable Solutions, Safety & Autoation, Smart Technology etc.

Life Beyond the Lab

It wasn't all about resistors and capacitors. Our department thrived on teamwork and leadership. Whether it was competing in sports meets or collaborating on late-night project reports, the bonds formed here are as permanent as a soldered joint.

Closing : The Road Ahead

As we prepare for the next chapter- be it pursuing a B.Tech degree or entering the aerospace and telecommunications industries- we carry with us the resilience and problem-solving skills honed in these halls. To the graduating class : stay grounded, stay connected, and keep the current of innovation flowing.

A New Dimnsion in Electronics : The Rise of Flexible & Organic Semiconductors

For decades, the story of electronics was etched in rigid silicon. However, as we move through 2025-26, a fundamental shift is occurring. The future of electronics is no longer just about smaller, faster chips; it is about **flexible, organic and intelligent systems** that can blend seamlessly into our daily lives.

1. Flexible and Printed Electronics

One of the most exciting recent breakthroughs is the transition of flexible electronics from laboratory prototypes to practical, mass-market applications. Using advanced conductive inks and organic polymers, engineers can now "print" electronic circuits onto bendable substrates like plastic, paper and even textiles. This technology is the backbone of :

* **Foldable Devices :** Powering the next generation of smartphones and roll able displays.
* **Smart Textiles :** Integrating biometric sensors directly into clothing to monitor heart rate and muscle activity in real-time..
* **Disposable Medical Sensors :** Creating ultra-thin, low-cost skin patches for continuous, non-invasive health monitoring.

2. Beyond Silicon : GaN an SiC

While silicon remains a staple, it is hitting its physical limits. In its place, Wide-Bandgap (WBG) semiconductors like **Gallium Nitride (Gan)** and **Silicon Carbide (SiC)** are taking over high-performance sectors. These materials allow devices to operate at higher voltages, temperatures and frequencies with significantly less energy loss. This innovation s critical for the rapid growth of electric vehicles (EVs) and high-efficiency 5G/6G infrastructure.

3. The Era of Edge AI

We are witnessing a shift from "Cloud AI" to "Edge AI". Instead of sending data to a distant server, modern AI-optimize hardware-such as Neural Processing Units (NPUs)- now allows devices to process complex information locally. This ensures faster response times, lower power consumption and enhanced privacy for everything from autonomous drones to smart home security systems.

4. Susstainability in Design

With global electronics waste on the rise, green electronics has become a non-negotiable imperative. Engineers are now developing biodegradable components and energy-harvesting technologies that pull power form ambient sources like light, heat or even radio waves. This move toward a circular economy ensures that the electronic marvels of today do not become the environmental burdens of tomorrow.

Conclusion :

The elevrronics landscape is expanding into new dimensions- quite literally. From the atomic-level precision of 2nm chips to the macro-scale flexibility of printed sensors. the field is more dynamic than ever. For the engineers of tomorrow. the

challenge is no longer just to build circuits, but to weave intelligence and sustainability into every connection.

Edge AI anTiny ML, as this is currently the most transformative intrsection of VLSI design, embedded systems and software engineering.

Intelligence at the Edge : The Fusion of VLSI and Tiny ML

For the past decade, Articical Intelligence was a "giant" that lives in massive data centres. However, a revolutionary shift is occurring : **Edge AI**. Instead of sending data to the cloud, we are now designing electronics that can "think" locally. For Diploma students entering the field, this represents the ultimate frontier of modern electronics.

1. The Hardware Revolution : NPU and AI Accelerators

The backbone of Edge AI is specialized silicon. Traditional CPUs are not efficient enough for the billions of mathematical operations AI requires. This has led to the rise of **Neural Processing Units (NPUs)** and **AI Accelerators** designed at the VLSI (Very Large Scale Integration) level.

* **Parallel Processing :** Unlike standard processors, these chips use massive arrays of tiny processing elements to handle data simultaneously.
* **Lower Power Consumption :** By performing calculations on-site, devices save the massive energy typically used to transmit data over Wi-Fi or 5G.

2. TinyML : Big Intelligence, Small Footprint

TinyML is the specific field of bringing machine learning models to low-power microcontrollers (like those based on ARM Corted-M series). This allows even the simplest electronic devices to perform complex tasks :

* **Predictive Maintenance :** Sensors on industrial motors that can "hear" a bearing failure before it happens, saving millions in repair costs.
* **Smart Agriculture :** Soil sensors that analyse chemical compositions locally and trigger only when necessary.
* **Wearable Health :** Devices that can detect cardiac arrhythmias in real-time without needing a constant internet connection.

3. The Architecture of the Future

We are moving toward **Neuromorphic Computing**-circuits designed to mimic the human brain's neural structure. These chips don't use the traditional Von Neumann architecture; instead, they use "spiking neural networks" that only consume power when data is present, making them incredibly energy-efficient.

4. Why it matters for Electronics Engineers

As diploma engineers, the shift to the "Edge" means your role is evolving. It is no longar enough to just design a PCB; the future requires :

* **Hardware-Software Co-design:** Understanding how to optimize code for specific hardware constraints (RAM, Flash and Clock Speed).
* **Data Integrity :** Ensuring that local sensors provide clean, high-quality data for AI models to interpret.
* **Security :** Building "Hardware Root of Trust" to protect the data being processed at the edge from hackers.

"The future of electronics is not just about moving electrons; it's about moving intelligence."

(VIVEK KUMAR)
H.O.D. ELECTRONICS ENGINEERING
U. G. I. P. KOTABAGH (NAINITAL)

कौशल आधारित शिक्षा बनाम डिग्री आधारित शिक्षा

आज के समय में शिक्षा केवल किताबों और परीक्षाओं तक सीमित नपहीं रह गई है।। बदलती दुनिया और तेजी से आगे बढ़ती तकनीक ने छात्रों के सामने एक बड़ा सवाल खड़ा कर दिया है– **क्या डिग्री ज्यादा जरूरी है या कौशल (स्किल) ?**

डिग्री आधारित शिक्षा :

डिग्री आधारित शिक्षा पारंपरिक शिक्षा प्रणाली का हिस्सा है। इसमें विषय से जुड़ा सैद्धांतिक ज्ञान, शोध और अकादमिक समझ पर जोद दिया जाता है। डॉक्टर, इंजीनियर, वकील और शिक्षक जैसे पेशों के लिए डिग्री आज भी अनिवार्य है। डिग्री छात्रों को एक पहचान देती है और उच्च शिक्षा तथा सरकारी नौकरियों के लिए रास्ता खोलती है।

लेकिन इसकी एक कमी यह भी है कि कई छात्र डिग्री लेने के बाद भी नौकरी के लिए तैयार नहीं होते, क्योंकि उनके पास व्यवहारिक अनुभव और आवश्यक कौशल की कमी होती है।

कौशल आधारित शिक्षा :

कौशल आधारित शिक्षा व्यवहारिक ज्ञान पर केंद्रित होती है। इसमें कम्यूनिकेशन स्किल्स, कम्प्यूटर स्किल्स, कोडिंग, डिजाइनिंग, डिजिटल मार्केटिंग जैसी क्षमताओं को विकसित किया जाता है। आज के समय में कई युवाक`वल अपने कौशल के दाम पर फ्रीलांसिंग, स्टार्टअप और ऑनलाइन प्लेटफॉर्म्स पर सफल करियर बना रहे हैं। हालाँकि, केवल कौशल पर निर्भर रहना हर क्षेत्र में संभव नहीं है। कुछपेशों में डिग्री के बिना आगे बढ़ना मुश्किल होता है।

संतुलन ही सही रास्ता :

डिग्री और कौशल को एक–दूसरे का विरोधी मानने के बजाय, उन्हें पूरक समझना चाहिए। डिग्री ज्ञान की नींव रखती है, जबकि कौशल उस ज्ञान को व्यवहार में लाने की शक्ति देता है। आज के नियोक्ता ऐसे उम्मीदवार चाहते हैं, जिनके पास दोनों हों।

निष्कर्ष :

आज की प्रतिस्पर्द्धात्मक दुनिया में डिग्री अवसर देती है, लेकिन कौशल सफलता दिलाता है। जो छात्र पढ़ाई के साथ–साथ अपने कौशल को भी निखारते हैं, वही भविष्य में आत्मनिर्भर और सफल बनते हैं।

अभिषेक कुमार
इलेक्ट्रॉनिक इंजी०
द्वितीय वर्ष

क्वांटम कंप्यूटिंग : भविष्य की सुपरपावर तकनीक

क्वांटम कम्प्यूटिंग भविष्य की एक क्रांतिकारी तकनीक है, जो पारंपरिक कम्प्यूटरों के मुकाबले जटिल समस्याओं को अरबो गुना तेजी से हल कर सकती है। यह 'क्यूबिट्स' (Qubits) का उपयोग करती है, जो सुपरपोजिशन और एंटैंगलमेंट के कारण एक साथ O और I दोनों हो सकते हैं, जिससे यह दवा की खोज, एआई और डेटा सुरक्षा में मील का पत्थर साबित होगी।

क्वांटम कम्प्यूटिंग की मुख्य विशेषताएं और भविष्य :

सुपरपोजिशन और एंटैंगलमेंट : क्यूबिट्स (Qubits) O और I की अवस्था में एक साथ मौजूद रह सकते हैं।

अभूतपूर्व गति :

यह सबसे उन्नत सुपर कम्प्यूटरों से भी लाखों-करोड़ों गुना तेज हो सकती है, जो जटिल गणनाओं को कुछ मिनटों में हल कर सकती है।

प्रमुख अनुप्रयोग (Applications) :

दवा और सामग्री विज्ञान : नए अणुओं की खोज और सिमुलेशन में सहायक।

वित्तीय अनुकूलन (Finance) : जटिल जोखिम विश्लेषण और पोर्टफोलियो प्रबंधन।

डिजिटल सुरक्षा (Cryptography) : क्वांटम-सुरक्षित एन्क्रिप्शन और हैकिंग का पता लगाना।

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) :

अधिक कुशल और तेज़ एआई मॉडल प्रशिक्षण।

वर्तमान स्थिति और चुनौतियां : तकनीक अभी प्रारंभिक अवस्था में है और इसे अत्यधिक ठंक (लगभग परम शून्य तापमान) की आवश्यकता होती है, लेकिन आईबीएम, गूगल और माइक्रोसॉफ्ट जैसी कंपनियाँ इस पर तेजी से काम कर रही हैं।

कमल चन्द्र
इलेक्ट्रॉनिक इंजी०
द्वितीय वर्ष

जीवन की राह

जीवन की राहें आसान नहीं होती।
हर मोड़ पर नई पहचान नहीं होती।
कभी धूप है, कभी छाया मिलती,
हर दिन खुशियो की सौगात नहीं होती।।

संघर्ष ही इंसान को मजबूत बनाता है।
टूटकर भी जो उठे, वही आगे जाता है।
आँसू भी कभी भी सीख बन जाते हैं,
खामोशी में भी कई राज़ छुप जाते हैं।

जो मिला है, उसमें संतोष रखना सीखो,
हर हाल में खुद पर भरोसा रखना सीखो।
वक्त बदलता है, ये सच है सदा,
अँधेरी रात के बाद सवेरा होता ही है सदा।।

चलते रहो बिना थके, बिना डरे,
सपने सच ोते हैं, जो दिल से जिए।
जीवन एक अवसर है, इसे पहचान लो,
हर पल को अपना बनाकर जान लो।

आशुतोष लोहनी
सी.एस.ई.
तृतीय वर्ष

BEYOND THE CLASSROOM

Not only in one pages neatly bound,
Or silent halls whre desks are found,
Learning lives in skies so wide,
In every step and path we stride.

It speakes through failure, hope and try,
In question asked of earth and sky.
Through art, through work, through voices free,
We shape the mind we're meant to be.

A book may start the journey bright,
but life itself becomes the light,
for tree education helps us see
the world- and who we choose to be

Suhani Patwal
CSE IInd year

"YOU CAN"

If you think you're beaten, you are ......
If you think you dare not, you don't ......
If you like to win..... But think you can't....
It's almost a cinch, you won't !!

If yo think you'll lose, you're lost .....
For out in the world you'll find ....
Success begins with a fellow's will .....
It's all in a state of mind.

If you think you're outclassed, you are ......
You've got to think high to rise ......
You've got to be sure of yourself before .....
You can ever win the prize.

Life's battles don't always go....
To the stronger or faster man ....
But sooner or later the one who wins....
Is the one who thinks he can!!

Seema Bohra
CSE IInd year

Use of Artificial Intelligence in Modern Times

Introduction -

Artificial Intelligence (AI) has become a powerful force in the modern world. It is no longer limited to research laboratories or science fiction movies. Today, AI is integrated into our daily lives, transforming industries, improving efficiency and enhancing decision-making processes. From smart phones to smart cities, AI is playing a crucial role in shaping the present and the future.

1. AI in Healthcare

In modern healthcare, AI is used to diagnose diseases, analyze medical images, and predict patient outcomes. AI-powered systems help doctors detect conditions such as caner at an early stage. Robotic surgeries, virtual health assistants and drug discovery processes also rely on AI technologies.

2. AI in Education

AI is transforming education through smart learning platforms and personalized study plans.
Online platforms use AI to track student performance and provide customized. recommendations. Virtual tutors and automated grading systems sav time and imporve learning efficiency.

3.AI in Business an Finance

Business use AI for data analysis, customer service and marketing strategies. Chatbots provide 24/7 customer support. In banking and finance, AI helps detect fraudulent transactions, assess credit risks and automate trading systems.

4. AI in Transportation

AI is widely used in navigation systems, traffic management and self-driving cars. Applications like Google Map use AI to provide real-time traffic updates and suggest the fastest routes. Autonomous vehicles are being developed to improve road safedty and reduce accidents.

5. AI in Communication and Entertainment

Social media platforms use AI to recommend content and filter inappropriate materal. Streaming services like Netflix and YouTube suggest movies and videos based on user preferences. Voice assistants such as Alexa and Siri respond to voice commands using AI technology.

6. AI in Industry and Manufacturing

Industries use AI-powered robots for automation and quality control. AI improves productivity, reduces errors and enhances safety in factories.

Conclusion

In mordern times, Artificial Intelligence has become an essential part of daily life and professional work. It increases efficiency, reduces human effort and opens new opportunities for innovation, However, it is important to use AI responsibly to ensure that it benefits society while addressing challenges such as job displacement and data securtity.

Rajesh Kohali
Lecturer
Computer Science & Engineering
U.G.I.P. Kotabagh

Golden Three Years of College

Three years that flew like a gentle breeze,
From awkward hellos to lifelong promisses.
Classrooms echoed with dreams and fears,
Turning strangers into family over years.

Late nights, deadlines, laughter so loud,
Learning to stand strong, learning to be proud.
Books taught lessons, but life tought more,
In those corridors we grew to the core.

Now time moves on, paths drift apart,
But those golden years stay close to the heart.
College gave us memories, not just degrees-
Forever grateful for those golden three years, indeed

Nisha Dasila
CSE IIIrd year

YOU ARE A FLAME

You are a flame that burns with
Flame of determination, Ambition.
Hard work, luck and success
A burning flame that burns sa bright as the sun.

A flame that inspire people to follow
Their dreams and achieve great things in life

You are a flame that burns with greatness
A golden flame that burns with golden dreams

A flame that will burn forever
You are a flame that cannot be extinguishted

For you are the fire that inspires
A flame that burns in the hearts of millions

BHANU KOTHARI
CSE IInd year

''पलायन : एक अनकहा दर्द

पहाड़ का पानी और पहाड़ की जवानी अक्सर पहाड़ के काम नहीं आती, यह कहावत आज एक कड़वी सच्चाई बन चुकी है। सुविधाओं की तलाश और रोजगार की मजबूरी ने हमारे गाँवों को बंजर होने में तब्दील कर दिया है। यह कविता मात्र शब्दों का समूह नहीं, बल्कि उन सूनी चौखटों की सिसकी है, जो आज भी अपने पूर्वजों के लौटन की राह तक रही है। आइए, इस कविता के माध्यम से हम पलायन के दर्द को समझें और अपनी जड़ों की ओर लौटने का संकल्प लें।

पहाड़ का दर्द : एक सूनी चौखट की पुकार!

ठंडी हवाऐं, ऊंचे शिखर और वो सोंधी सी मिट्टी,
सब वहीं है, बस छूट गई है पूर्वजों की चिट्ठी।
धारों का पानी आज भी ठंडा है, पर पीने वाला कोई नहीं,
आंगन में धूप तो खिलती है, पर खेलने वाला कोई नहीं।

चौखट ने राह तकते-तकते अपनी आंखें मूंदी हैं,
घर के भीतर अब सिर्फ सन्नाटे की गूंजी है।
खेत खलिहान बंजर हुए, जंगलों ने बस्ती घेर ली है।
इंसान ने शायद अपनी मिट्टी से ही आंखें फेर ली हैं

शहर की चकाचौंध में हमने अपनी जड़ें भुला दी हैं,
पहाड़ की ठंडक छोड़, बेटों ने सीमेंट की धूप अपना ली है।
बूढ़ी मां आज भी उस मोड़ को अपलक निहारती है,
''अगली छुट्टी में बेटा आएगा,'' यही कह कर मन दुलारती है।

पर शहर के कंक्रीट के जंगल में वो सुकून कहां मिलेगा?
अपनी मिट्टी से कटकर, बताओ कौन सा फूल खिलेगा?
लौट आओकि पुकारते हैं तुम्हें ये बुरांश और झरने,
अपने घर को फिर से आबाद करो, अब सीखो यहीं मरना।

घर की दीवारें आज भी तुम्हारा नाम लिखती हैं,
पहाड़ की राहें हर दिन तुम्हारा रास्ता तकती हैं।
पलायन की इस धूप में, चलो थोड़ी छांव बनाते हैं,
चलो, हम फिर से अपने 'पहाड़' को 'घर' बनाते हैं।

''वो चूल्हे की राख अब ठंडी पड़ गई है,
घर की छतों पर अब घास जम गई है।
जिस आंगन से गूँजती थी किलकारियां कभी,
वहाँ अब सन्नाटे की चादर मढ़ गई है।''

रिया
सी.एस.सी. प्रथम वर्ष

Recent Trends in Engineering Chemistry

Engineering Chemistry has always been a foundational subject for diploma and engineering students. Traditionally, it focused on understanding chemical reactions, corrosion, fuels, water treatment, polymers and materials. However, in recent years, the field has expanded far beyond classroom experiments and laboratory techniques. With rapid technological advancement and increasing global challenges such as climate change, energy demand and environmental pollution, Engineering Chemistry has become more innovative, sustainable and industry-oriented. Today, it plays a vital role in shaping modern industries and developing solutions for a better future.

One of the most significant recent trends in Engineering Chemistry is Green Chemistry and Sustainable Development. Green chemistry emphasizes designing chemical processes that minimize hazardous substances and reduce waste production. Instead of controlling pollution after it is created, green chemistry focuses on preventing pollution at the source. Industries are now using renewable raw materials, energy-efficient reactions and eco-friendly solvents. The goal is to reduce environmental impact while maintaining productivity and profitability. For diploma students understanding green chemistry principles is essential because industries are increasingly adopting sustainable practices. Engineers who can design environmentally responsible processes are in high demand.

Another rapidly growing area is Nano technology and Advanced Materials. Nano technology deals with materials at the nano scale, typically between 1 and 100 nano meters. At this scale materials exhibit unique physical and chemical properties such as increased strength, improved electrical conductivity, enhanced catalytic activity and better thermal resistance. These special properties make nano materials highly useful in various applications. For example, nano particles are used in solar cells to improve efficiency, in batteries to enhance energy storage capacity and in protective coatings to provide corrosion resistance. In medicine, nano materials are used in drug delivery systems and diagnostic tools. Advanced materials such as smart polymers, graphene and composite materials are revolutionizing industries like electronics, aerospace, construction and healthcare. Diploma students who gain knowledge about nano technology can explore exciting career opportunities in research and advanced manufacturing.

The integration of Artificial Intelligence (AI) and Digital Technologies in chemical engineering is another important trend. AI and machine learning algorithms are being used to predict chemical reactions, optimize industrial processes and analyse large sets of experimental data. In modern industries, digital simulations help engineers design and test processes before actual implementation. This reduces costs, improves safety, and increases efficiency. Virtual laboratories and computer-based simulation are also transforming chemical education. Students can now perform experiments digitally and understand complex concepts more effectively. The combination of chemistry with data science and automation is creating a new era of smart chemical engineering.

Energy is one of the biggest global challenges and Engineering Chemistry plays a key role in developing sustainable energy solutions, Electrochemical Energy Systems are gaining significant attention due to the increasing demand for clean and renewable energy. Technologies such as lithium-ion batteries, fuel cells, super capacitors and hydrogen production systems rely heavily o electrochemistry.

Electric vehicle, renewable energy storage systems and portable electronic devices all depend on efficient battery technology. Research is focused on improving battery life, increasing energy density, reducing charging time and using environmentally friendly materials. Hydrogen fuel cells are considered a promising alternative to fossil fuels because they produce water as the only by product. For diploma students, understanding electrochemistry and energy storage systems opens door to careers in the rapidly growing renewable energy sector.

Another emerging trend is Bio catalysis and Bio-Based Chemistry. Bio catalysis involves using natural catalysts such as enzymes and microorganisms to carry out chemical reactions. These biological processes usually occur under mild conditions, reducing energy consumption and minimizing harmful by products. Bio-based chemistry is being widely applied in producing biofuels, biodegradable plastics, pharmaceuticals and food processing products. For example, ethanol produced from agricultural waste is used an renewable fuel. Biodegradable plastics made from plant-based materials help reduce plastic pollution. Pharmaceutical industries use enzymes to manufacture medicines more efficiently and safely. This trend combines chemistry with biotechnology and promotes environmentally friendly production methods.

Water treatment and environmental protection have also seen major advancements. Modern techniques such as membrane filtration, reverse osmosis, advanced oxidation processes and adsorption using nanomaterials are improving water purification systems. With increasing industrialization, managing wastewater and reducing pollutant have become essential responsibilities for chemical engineers.

In addition, Automation and Industry 4.0 technologies are transforming chemical industries. Smart sensors, internet of Things (I O T), robotics and real-time data monitoring systems are improving process control and safety. Automated systems reduce human error and increase productivity. Chemical plants are now equipped with digital control rooms where engineers monitor processes through advanced software systems. This trend requires engineers to possess not only chemical knowledge but also technical skills related to programming, instrumentation and data analysis.

Polymer science and advanced composites are also evolving rapidly. Lightweight and high-strength composite materials are being used in automobiles and aircraft to improve fuel efficiency. Conductive polymers are used in flexible electronics and wearable devices. Smart materials that respond to temperature, light or pressure are being developed for innovative applications. These advancements highlight the importance of material chemistry in modern engineering.

For diploma students, staying updated with these recent trends is highly beneficial. It enhances their understanding of real-world applications and increases employability. Industries today seek professionals who are knowlegeable about sustainable technologies, digital tools, advanced materials and energy systems. Practical skills combined with awareness of modern developments can give students a competitive advantage in the job market.

In conclusion, Engineering Chemistry is no longer confined to traditional laboratory practices. These recent trends are shaping industries and contributing to global development. As technology continues to advance, Engineering Chemistry will remain a key driver of innovation and environmental responsibility.

Chetana Chauhan Dhapola
H.O.D. (Basic Science and Humanities)
U.G.I.P. Kotabagh

TODAY'S GIRL :
NOT JUST STRONG, BUT SMART, CONFIDENT & INDEPENDENT

"A girl is not just born strong - she becomes strong through challenges, Choices and Courage"

Today's girl is redefining the meaning of strength, success and self-respect. She is no longer confined to traditional roles or limited dreams. She is bold, ambitions, educated and fearless. She knows her worth and is not afraid to chase her goals.

In carlier times, girls were often expected to stay within boundaries set by society. Their dreams were restricted and their voices were unheard. But today, the modern girl is breaking stereotypes and creating her own identity. She is becoming a leader a thinker, an innovator and a change maker.

Aaj ki ladki sirf strong nahi, **balki smart bhi hai.**
She is excelling in emotions with logic, dreams with discipline, and confidence with kindness. She excels in education, technology, business, sports and every other field. From classrooms to boardrooms from science labs to space missions -- she is everywhere.

She believes in equality, not superiority. She doesn't want special treatment : she wants equal opportunities. She stands up for herself and others, raising her voice against injustice, discrimination and inequality. Her courage inspires many and proves that girls can achieve anything they set their minds to.

Education has become the biggest weapon of today's girl. It gives her power, independence and freedom to choose her own path.

She understands that true beauty lies in not in appearance, but in confidence, intelligence and character.

Today's girl is not waiting for permission to succeed. She is creating opportunities. She is building dreams.
She is shaping the future.

"A girl with dreams becomes a woman with vision."

Rashmi Bohara
CSE Ist Year

Freshers Party, Farewell Party & Annual Function

Some Glimpses of Caltural Activities

उत्तराखण्ड राज्य स्थापना रजत जयन्ती वर्ष समारोह - 2025

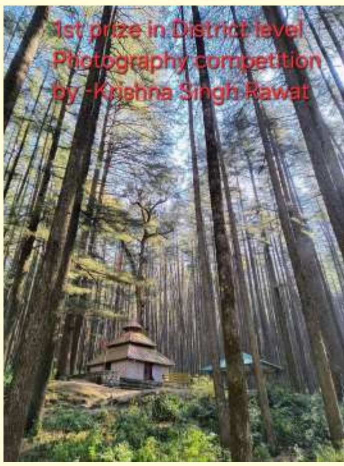

''सिलिकॉन संप्रभुता''

सेमीकंडक्टर उत्कृष्टता के लिए भारत का रणनीतिक रोडमैप तथा इसका डिप्लोमा इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरों के भविष्य की संभावनाओं पर सकारात्मक प्रभाव

भारत सरकार ने भारत को चिप निर्माण और डिजाइन के लिए एक वैश्विक केन्द्र (Global Hub) में बदलने के लिए **इंडिया सेमीकंडक्टर मिशन (ISM)** के माध्यम से एक व्यापक रणनीतिक पहल शुरु की है। रु० 76,000 करोड़ (लगभग $10 बिलियन) के कुल वित्तीय परिव्यय के साथ, ये प्रयास घरेलू फैब्रिकेशन इकाइयों की स्थापना, डिजाइन इकोसिस्टम को बढ़ावा देने और एक विशाल कुशल कार्यबल विकसित करने पर केंद्रित है।

1. ISM के तहत प्रमुख प्रोत्साहन योजनाएं

इंडिया सेमीकंडक्टर मिशन (ISM) चार प्राथमिक योजनाओं की देखरेख करता है जो परियोजना लागत के लिए समान आधारपर **50% तक वित्तीय सहायता** प्राप्त करती है।

सेमीकंडक्टर फैब्स योजना : लॉजिक, मेमोरी और एनालॉग चिप्स के लिए सिलिकॉन CMOS-आधारित वेफर फैब्रिकेशन इकाइयों की स्थापना में सहायता।

डिस्प्ले फैब्स योजना : TFT, LCD और AMOLED डिस्प्ले पैनल के घरेलू निर्माण का लक्ष्य

कंपाउंड सेमीकंडक्टर्स और ATMP/OSAT योजना : कंपाउंड सेमीकंडक्टर्स, सिलिकॉन फोटोनिक्स, सेंसर (MEMS) और आउटसोर्स सेमीकंडक्टर असेंबली एंड टेस्ट (OSAT) सुविधाओं की स्थापना के लिए प्रोत्साहन।

डिजाइन लिंक्ड इंसेंटिव (FLI) योजना : चिप डिजाइन के लिए प्रति कंपनी **15 करोड़** तक की वित्तीय सहायता, साथ ही शुद्ध बिक्री कारोबार पर 4-6% का परिनियोजन-लिंक्ड प्रोत्साहन (Deployment-linked incentives)

2. प्रमुख बुनियादी ढांचा और स्वीकृत परियोजनाएं

2026 की शुरुआत तक, सरकार ने छह राज्यों में लगभग **रु 1.60 लाख करोड़** के संचयी निवेश वाली **10 प्रमुख परियोजनाओं** को मंजूरी दी है:

टाटा-**PSMC फैब (गुजरात) :** ताइवान की **PSMC** के साथ साझेदारी में भारत की पहली हाई-वॉल्यूम सेमीकंडक्टर फैब सुविधा (~ 91,000) करोड़ का निवेश)।

माइक्रोन टेक्रोलॉजी (गुजरात) : सानंद में एक प्रमुख सेमीकंडक्टर एसेंबली और परीक्षण सुविधा, जिसमें 2025-2026 के अंत तक पहले ''मेड इन इंडिया'' चिप्स आने की उम्मीद है।

टाटा-**असम सुविधा :** मोरीगांव में एक महत्वपूर्ण सेमीकंडक्टर असेंबली और परीक्षण संयंत्र।

HCL&फॉक्सकॉन JV (उत्तरप्रदेश) : डिस्प्ले ड्राइवर चिप्स के निर्माण के लिए अनुमोदित।

SLC मोहाली का आधुनिकीकरण : सरकार मोहाली में मौजूदा सेमी-कंडक्टर प्रयोगशाला (SLC) को लगभग +2 बिलियन के नियोजित निवेश के साथ ब्राउनफील्ड फैब के रूप में आधुनिक बना रही है।

3. प्रतिभा विकास और अनुसंधान

2030 तक 10 लाख अतिरिक्त कुशल श्रमिकों की अनुमानित आवश्यकता को पूरा करने के लिए, सरकारने कई प्रतिभा पहल शुरु की है।

चिप्स टू स्टार्टअप (C2S) कार्यक्रम : 100 से अधिक शैक्षणिक और अनुसंधान संस्थानों में टसैप्‍ और एम्बेडेड सिस्टम डिजाइन में **85 ,000** उच्च गुणवत्ता वाले इंजीनियरों को प्रशिक्षित करने का लक्ष्य।

नया पाठ्यक्रम : AICTE ने VLSI डिजाइन, टेक्नोलॉजी और IC निर्माण में विशेष बी.टेक और डिप्लोमा पाठ्यक्रम शुरु किए।

भारत सेमीकंडक्टर रिसर्व सेंटर (BSRC) : 3mm चिप डिजाइन जैसी अगली पीढ़ी की प्रौद्योगिकियों में नवाचार लाने के लिए एक वैश्विक मानक अनुसंधान संस्थान (IIT मद्रास में सह-स्थित) के रूप में योजनाबद्ध।

4. अंतर्राष्ट्रीय ''सिलिकॉन कूटनीति''

भारत लचीली आपूर्ति श्रृंखला बनाने के लिए वैश्विक साझेदारी का लाभ उठा रहा है :

प्रमुख भागीदारों के साथ समझौता ज्ञापन (MoUs) : सेमी कंडक्टर आपूर्ति श्रृंखला और प्रौद्योगिकी हस्तांतरण पर सहयोग करने के लिए अमेरिका, जापान, यूरोपीय संघ और सिंगापुर के साथ समझौते किए गए हैं।

सेमीकॉन इंडिया (SEMICON iNDIA) : वैश्विक उद्योग जगत के नेताओं और हितकारकों को एक साथ लाने के लिए सहयोग करने के लिए अमेरिका, जापान, यूरोपीय संघ और सिंगापुर के साथ समझौते किए गए हैं।

केन्द्रीय बजट 2026-27 में, सरकार ने **ISM 2-0** के शुभारंभ की घोषणा की, जो सेमीकंडक्टर उपकरण, सामग्री और विशेष अनुसंधान एवं विकास (R&D) केंद्रों पर और अधिक ध्यान केंद्रित करेगा। यह भारत में इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग में डिप्लोमा कर रहे विद्यार्थियों के लिए अपार अवसर प्रदान करेगा।

डिप्लोमा इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियर्स के लिए भविष्य की संभावनाएं :

इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियर्स (ECE) आधुनिक सभ्यता की रीढ़ है। आपकी जेब में मौजूद स्मार्टफोन से लेकर पृथ्वी की परिक्रमा करने वाले जटिल उपग्रह, ऑपरेशन सिन्दूर में भारत का डंका पूरे विश्व में बजाने वाली स्वचालित रक्षा एवं आक्रमण प्रणालियों तक, इलेक्ट्रॉनिक्स हर जगह मौजूद हैं। इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग में डिप्लोमा करने वालों के लिए भविष्य न केवल उज्जवल है, बल्कि क्रांतिकारी भी है। जैसे-जैसे उद्योग स्वचालन (Automation), स्मार्ट तकनीक और हरित ऊर्जा (Green Energy) की ओर बढ़ रहे है, कुशल तकनीशियनों और सहयोगी इंजीनियरों की मांग अपने उच्चतम स्तर पर पहुंच रही है। इंडिया सेमीकंडक्टर मिशन (ISM) इलेक्ट्रॉनिक्स इंडस्ट्री के चहुंमुखी विकास को और अधिक गति प्रदान कर रहा है, साथ ही इलेक्ट्रॉनिक्स के नए एवं आकर्षक आयाम भी खोल रहा है।

1. इंडस्ट्री 4.0 और ऑटोमेशन का उदय

हम वर्तमान में चौथी औद्योगिक क्रांति के बीच में हैं, जिसे **इंडस्ट्री 4.0** के रूप में जाना जाता है। यह युग स्मार्ट फैक्ट्रियों द्वारा परिभाषित है जहाँ मशीनें एक–दूसरे से संवाद करती हैं।

रोबोटिक्स : औद्योगिक रोबोटों के रखरखाव, प्रोग्रामिंग और मरम्मत (Troubleshooting) के लिए डिप्लोमा धारक अनिवार्य हैं।

पीएलसी PLC : PLC और SCADA सिस्टम की समझ डिप्लोमा इंजीनियरों को ऑटोमोटिव, FMCG और फार्मास्यूटिकल्स जैसे क्षेत्रों में स्वचालित उत्पादन लाइनों को प्रबंधित करने की अनुमति देती है।

2. सेमीकंडक्टर क्रांति :

''डिजीटल संप्रभुता'' के वैश्विक प्रयास के साथ कई देश **सेमीकंडक्टर निर्माण** में अरबों का निवेश कर रह हैं।

फैब्रिकेशन यूनिट्स : डिप्लोमा इंजीनियरों को ''फैब्स'' (सेमीकंडक्टर निर्माण संयंत्रों) में बड़े अवसर मिलते हैं, जहाँ वे प्रोसेस तकनीशियन के रूप में काम करते हैं और चिप निर्माण की सटीकता सुनिश्चित करते हैं।

परीक्षण और गुणवत्ता नियंत्रण : उत्पादित प्रत्येक चिप को कठोर परीक्षण की आवश्यकता होती है, यह एक ऐसा क्षेत्र है, जहाँ तकनीकी व्यवहारिक कौशल (Hands-on skills) को अत्यधिक महत्व दिया जाता है।

3**. हरि ऊर्जा संक्रमण :**

दुनिया जीवश्म ईंधन से दूर हो रही है, जिससे इलेक्ट्रॉनिक्स ''हरित क्रांति'' के केंद्र में आ गया है।

इ **इलेक्ट्रिक वाहन (EV) :** ईवी उद्योग मैकेनिकल गियर के बारे में कम और इलेक्ट्रॉनिक कंट्रोल यूनिट (ECU), बैटरी प्रबंधन प्रणाली **(BMS)** और पावर इलेक्ट्रॉनिक्स के बारे में अधिक है।

नवीनीकरण ऊर्जा **:** सौर और पवन ऊर्जा प्रणालियां इनवर्टर, कन्वर्टर्स और स्मार्ट गिड तकनीक पर भारी निर्भर करती है, जिसमें से सभी के इंस्टॉलेशन और रखरखाव के लिए इलेक्ट्रॉनिक्स तकनीशियनों की विशेषज्ञता की आवश्यकता होती है।

4. दूरसंचार और 5G/6G''

5G तकनीक के आने से दूरसंचार क्षेत्र में नए द्वार खुल गए हैं।

इन्फ्रास्ट्रक्चर : 5G टॉवर, ऑप्टिकल फाइवर नेटवर्क और माइक्रोवेव संचार लिंक स्थापित करने और बनाए रखने के लिए पेशेवरों की निरंतर आवश्कता होती है।

IoT (इंटरनेट ऑफ थिंग्स) : जैसे–जैसे ''स्मार्ट होम'' और ''स्मार्ट सिटी'' वास्तविकता बन रहे हैं, डिप्लोमा इंजीनियर ही वे लोग होंगे, जो इन वातावरणों को कार्यात्मक बनाने वाले सेंसर नेटवर्क को तैनात करेंगे।

5. विविध करियर मार्ग

इलेक्ट्रॉनिक्स में डिप्लोमा एक बहुमुखी कैरियर मानचित्र प्रदान करता है। विद्यार्थी कई क्षेत्रों में से अपनी रुचि के अनुसार क्षेत्र चुन सकते हैं।

सार्वजनिक क्षेत्र : रेलवे, रक्षा (DRDO), अंतरिक्ष अनुसंधान (ISRO), BEL, HAL, BHEL, ONGC और बिजली निगमों जैसे सरकारी निकायों में अवसर।

निजी क्षेत्र : सैमसंग, LG, HP, HCL, Lenovo, Dell इंटेल, टाटा इलेक्ट्रानिक्स और सीमेंस जैसी दिग्गज कंपनियां लगातार डिप्लोमा प्रशिक्षुओं (Trainees) को नियुक्त करती है।

उद्यमिता (Entrepreneurship) : पीसीबी डिजाइन और हार्डवेयर मरम्मत के ज्ञान के साथ, कई लोग इलेक्ट्रॉनिक उत्पाद डिजाइन या विशेष मरम्मत सेवाओं में अपना उद्यम शुरु कर सकते हैं।

निष्कर्ष :

सेमीकंडक्टर उत्कृष्टता के लिए भारत का रणनीतिक रोडमैप, हमारे देश ही नहीं अपितु सम्पूर्ण विश्व के विकास में अपनी महत्वपूर्ण एवं प्रभावी सहभागिता प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है, साथ ही यह इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग के क्षेत्र में डिप्लोमा कर रहे इंजीनियरों के भविष्य की संभावनाओं पर भी सकारात्मक प्रभाव डालने वाला है। डिप्लोमा इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरों के लिए भविष्य की विशेषता विशेषज्ञता (Specialization) है। जबकि बुनियादी डिप्लोमा नींव प्रदान करता है, वास्तविक ''संभावना'' एआई–एकीकृत हार्डवेयर और टिकाऊ इलेक्ट्रॉनिक्स जैसी उभरती प्रौद्योगिकियों के साथ अपडेट रहने में निहित है। व्यवहारिक मानसिकता और चीजों के काम करने के तरीके के प्रति जुनून रखने वाले छात्र के लिए, इलेक्ट्रॉनिक्स उद्योग एक स्थिर, उच्च–विकास वाला और बौद्धिक रूप से उत्तेजक एवं आकर्षक करियर प्रदान करता है एवं सेमी कंडक्टर उत्कृष्टता के लिए भार का रणनीतिक रोडमैप इस क्षत्र को और अधिक गति प्रदान करने वाला है।

आशीष भारद्वाज
व्याख्याता इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग
उत्तराखण्ड राजकीय पॉलीटेक्निक संस्थान
कोटाबाग (नैनीताल)

Placement Report
Year 2025-26

<table>
<tr><th>S.No.</th><th>Name of Branch</th><th>Placement %</th><th>Name of Industries</th></tr>
<tr><td>1.</td><td>Electronics Engg.</td><td>100%</td><td rowspan="2">1- Lumax Industries Ltd. Pantnagar
2- Huhtamaki PPL Pvt. Ltd. Gurugram
3- Interface Microsystems Rudrapur
4- Ananda Group of Companies.
5- VVDN Technologies, Gurugram
6- Dixon Technologies</td></tr>
<tr><td>2.</td><td>CSE</td><td>100%</td></tr>
</table>

The Threshold

The bell that rang at four o'clock is silent now,
The iron gates, the heavy bag, the formal vow.
We traded checkered skirts and ties for denim blue,
Exchanging "Yes, Teacher" for "Who are you?".

School was a geaden, fenced and neatly mown,
Where every seed was told how it should be grown.
We carved our names on desks of wood and stone,
Thinking we were giants, yet so little known.

Then came the college gates-a winder, wilder air,
No rows of wooden chairs, just freedom and a dare.
The corridors are longer, the faces fast and new,
The sky is suddenly a darker, deeper hue.

In school, we learned the answers to the test,
In college, we learn to put the "self" to rest.
To fail, to find, to argue and to dream
To realize life is rarely what is seems.

The canteen tea replaces the water-bottle's chill,
The lectures drift like clouds beyond the hill.
One was the foundation, the bricks, the steady floor.
The other is the wind that's pushing through the door.

We leave the child in the classroom, small and bright,
To find the adult walking toward the light.

Bhumika Arya
CSE Ist year

देवभूमि उत्तराखण्ड

उत्तराखण्ड भारत का एक बहुत ही सुंदर और पवित्र राज्य है। यह देश के उत्तरी भाग में हिमालय की गोद में स्थित है। अपनी प्राकृतिक सुंदरता, धार्मिक महत्व ओर शांत वातावरण के कारण उत्तराखण्ड को ''देवभूमि'' कहा जाता है। यहाँ का वातावरण बहुत स्वच्छ और मनमोहक है, जो सभी लोगों को अपनी ओर आकर्षित करता है।

उत्तराखण्ड राज्य का गठन 9 नवंबर 2000 को हुआ था। पहले इसका नाम उत्तरांचल था। देहरादून इसकी शीतकालीन राजधानी है तथा गैरसैंण (भराड़ीसैंण) ग्रीष्मकालीन राजधानी है। यह राज्य पहाड़ों, जंगलों, नदियों, झीलों और हिमालय की ऊँची–ऊँची चोटियों से घिरा हुआ है। यहाँ के प्राकृतिक दृश्य देखने लायक होते हैं। उत्तराखण्ड धार्मिक दृष्टि से महत्वपूर्ण है। यहाँ चार धाम– बद्रीनाथ, केदारनाथ, गंगोत्री और यमुनोत्री स्थित हैं। हर साल लाखों श्रद्धालु यहाँ दर्शन करने आते हैं। हरिद्वार और ऋषिकेश भी पवित्र नगर हैं, जहाँ गंगा नदी बहती है। ऋषिकेश को योग नगरी भी कहा जाता है, जहाँ लोग योग और ध्यान करने आते हैं।

यह राज्य पर्यटन के लिए भी बहुत प्रसिद्ध है। मसूरी, नैनीताल, अल्मोड़ा, रानीखेत और औली जैसे स्थान बहुत सुंदर हैं। यहाँ के ऊँचे–ऊँचे पहाड़, हरे–भरे जंगल और ठंडी हवाएँ पर्यटकों को अपनी ओर आकर्षित करती हैं। जिम कॉर्बेट राष्ट्रीय उद्यान वन्यजीवों के लिए प्रसिद्ध है, जहाँ बाघ, हाथी और कई अन्य जानवर पाए जाते हैं। उत्तराखण्ड की संस्कृति और परंपरा भी बहुत समृद्ध है। यहाँ के लोग सरल, मेहनती और ईमानदार होते हैं। लोक नृत्य जैसे झोड़ा, छोलया और चांचरी यहाँ की प्रसिद्ध कलाऐं हैं, जिन्हें पर्यटक बहुत पसंद करते हैं।

गंगा और यमुना जैसी पवित्र नदियाँ यहां से निकलती हैं, जो पूरे देश को जीवन देती हैं। उत्तरखण्ड का राज्य पशु कस्तूरी मृग, राज्य पक्षी हिमालयी मोनाल और राज्य पुष्प ब्रहम कमल है। अंत में हम कह सकते हैं कि उत्तराखण्ड सच में देवताओं की भूमि है। इसकी प्राकृतिक सुंदरता, धार्मिक महत्व और शांत वातावरण इसे एक विशेष राज्य बनाते हैं। हमें अपने उत्तराखण्ड की रक्षा करनी चाहिए और इसे स्वच्छ रखना चाहिए। मुझे अपने उत्तराखण्ड पर बहुत गर्व है।

गुंजन खोलिया
सी.एस.ई. (प्रथम वर्ष)

कृषि में इलेक्ट्रॉनिक्स का उपयोग

भारत एक कृषि प्रधान देश है और समय के साथ खेती के तरीकों में लगातार बदलाव आया है। आज परंपरागत खेती के साथ–साथ इलेक्ट्रॉनिक्स तकनीक ने कृषि को अधिक स्मार्ट, सटीक और लाभदायक बना दिया है। आधुनिक इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों की सहायता से किसान कम मेहनत में अधिक उत्पादन कर पा रहे हैं। कृषि में इलेक्ट्रॉनिक्स के प्रयोग से समय की बचत होती है, पानी और बिजली की खपत कम होती है, लागत में कमी आती है तथा फसल की गुणवत्ता में सुधार होता है। स्वचालित सिंचाई प्रणाली में सॉयल मॉइश्चर सेंसर के माध्यम से मिट्टी की नमी मापी जाती है और रोशनी नमी कम होने पर मोटर अपने–आप चालू होकर पर्याप्त नमी होने पर बंद हो जाती है। ड्रोन तकनीक की मदद से फसलों की निगरानी, कीटनाशकों का छिड़काव और फसल की स्थिति का आकलन आसानी से किया जा सकता है। ग्रीनहाउस ऑटोमेशन में तापमान, नमी और रोशनी को इलेक्ट्रॉनिक सेंसर द्वारा नियंत्रित किया जाता है, जिससे फसल तेजी से बढ़ती है और उसकी गुणवत्ता बेहतर होती है। इलेक्ट्रॉनिक वेदर स्टेशन किसानों को बारिश, तापमान और हवा से जुड़ी जानकारी पहले ही प्रदान कर देते हैं, जिससे वे सही समय पर खेती से जुड़े निर्णय ले पाते हैं। इसके अलावा इलेक्ट्रॉनिक फेंसिंग और अलार्म सिस्टम के माध्यम से फसलों को जानवरों से सुरक्षित रखा जा सकता है। इन सभी तकनीकों के कारण किसानों को उत्पादन में वृद्धि, मेहनत में कमी, संसाधनों का सही उपयोग और आय में बढ़ोतरी जैसे कई लाभ मिलते हैं। निष्कर्ष रूप में कहा जा सकता है कि कृषि में इलेक्ट्रॉनिक्स का प्रयोग आज की आवश्यकता बन चुका है और यदि किसान आधुनिक तकनीकों को अपनाएँ तो खेती न केवल आसान होगी बल्कि अधिक लाभदायक भी बनेगी। इलेक्ट्रॉनिक्स और कृषि का मेल ही भारत की समृद्ध खेती का भविष्य है।

प्रियांशु जंतवाल
इलैक्ट्रॉनिक्स इंजी०
(तृतीय वर्ष)

सोशल मीडिया का प्रभाव

आज का युग डिजिटल क्रांति का युग है। इंटरनेट और स्मार्टफोन के प्रसार के साथ सोशल मीडिया हमारे जीवन का अभिन्न हिस्सा बन चुका है। फेसबुक, इंस्टाग्राम, व्हाट्सऐप, एक्स (ट्विटर) और यूट्यूब जैसे प्लेटफॉर्म ने लोगों को एक–दूसरे से जोड़ने का कार्य किया है, किन्तु इसके प्रभाव सकारात्मक और नकारात्मक– दोनों रूपों में देखने को मिलते हैं।

सोशल मीडिया का सबसे बड़ा सकारात्मक प्रभाव यह है कि इससे सूचना और संवाद पहले से कहीं अधिक सरल और तेज हो गया है। शिक्षा के क्षेत्र में ऑनलाइन कक्षाएँ, शैक्षणिक वीडिरूो और प्रतियोगी परीक्षाओं से संबंधित जानकारी छात्रों के लिए अत्यंत उपोगी सिद्ध हो रही है। इसके माध्यम से यवा अपनी प्रतिभा को वैश्विक स्तर पर प्रस्तुत कर सकते हैं और नए करियर अवसर भी प्राप्त कर सकते हैं। हालाँकि सोशल मीडिया के नकारात्मक प्रभाव भी कम नहीं हैं। इसका अत्यधिक उपयोग समय की बर्बादी, पढ़ाई में एकाग्रता की कमी और मानसिक तनाव का कारण बनता है। झूठी खबरें, साइबर अपराध और ऑनलाइन तुलना में प्रवृत्ति युवाओं के आत्मविश्वास को कमजोर कर सकती है। कई बार सोशल मीडिया की लत वास्तविक सामाजिक संबंधों में दूरी पैदा कर देती है।

युवाओं पर प्रभाव

युवा वर्ग सोशल मीडिया से सबसे अधिक प्रभावित होता है। सही उपयोग से यह ज्ञान, रचनात्मकता और अवसरों का सशक्त माध्यम बन सकता है। लेकिन गलत उपयोग से यह भविष्य के लिए बाधा भी बन सकता है। इसलिए युवाओं को चाहिए कि वे सोशल मीडिया का प्रयोग समय और उद्‌देश्य के अनुसार करें।

संतुलित उपयोग की आवश्यकता

सोशल मीडिया को जीवन का साधन बनाना चाहिए, लक्ष्य नहीं। इसक लिए समय–सीमा निर्धारित करना, विश्वसनीय सूचनाओं का चयन करना और वास्तविक जीवन के संबंधों को प्राथमिकता देना आवश्यक है।

निष्कर्ष

सोशल मीडिया एक शक्तिशाली माध्यम है, जो हमारे जीवन को बेहतर भी बना सकता है और बिगाड़ भी सकता है। यह पूरी तरह हमारे उपयोग पर निर्भर करता है। यदि सोशल मीडिया का उपयोग समझदारी, संयम और जिम्मेदारी के साथ किया जाए, तो यह समाज और युवाओं के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है।

प्रियंका बधानी
इलैक्ट्रॉनिक्स इंजी०
(प्रथम वर्ष)

Virat Kohli - The Run Machine of Indian Cricket

Virat Kohli is one of the greatest cricketers in the world and a true inspiration for millions of young players. Known as the "Run Machine," he is famous for his consistency, discipline and aggressive playing style. Born on 5 November 1988 in Delhi. Virat showed a passion for cricket from a very young age. Through hard work, dedication and determination, he rose to become the captain of the Indian cricket team in all formats.

Virat Kohli is admired not only for his batting skills but also for his leadership qualities and fitness. He has broken many records and achieved several milestones in international cricket. His centuries across formats prove his class and ability to perform under pressure. Kohli always plays with full energy and confidence, which motivates his teammates and fans.

Apart from cricket, Virat is also known for promoting fitness and a healthy lifestyle. He has inspired many youngsters to focus on physical training and discipline. His journey from a young boy with big dreams to one of the finest batsmen in the world shows that success comes through hard work and self-belief. Truly, Virat Kohli is a pride of Indian cricket and a role model for future generations.

Neel Nainwal
CSE Ist Year

SITUATIONS OF LIFE

LIFE IS LIKE AN AC CURRENT
SOMETIMES IT MOVES IN THE POSITIVE PHASE
AND SOMETIMES IN THE NEGETIVE ONE
JUST BECAUSE LIFE KEEPS CHANGING DIRECTIONS
DOESN'T MEAN YOU'RE STUCK - IT MEANS YOU ARE
STILL ALIVE AND MOVING
EVEN WHEN LIFE SWITCHES POLARITY
YOUR VALUERS REMAINS THE SAME
LIFES RHYTHM IS ALTERNATING-
LEARN TO DANCE WITH BOTH HIGHS AND LOWS

Divy Budhalakoti
CSE IInd Year

सोमेश्वर

पहाड़ों की मुस्कान, हिमालय की गोद में बैठा
सोमेश्वर प्यारा सा गाँव, बादलों से बातें करता
हरियाली में डूबा ठाँव।

चीड़–बुरांश की खुशबू लेकर,
बहती ठंडी–ठंडी बयार,
नदियों की मीठी कलकल में,
गूंजे जीवन का संगीत अपार।

मंदिर की घंटी की धुन में,
बसता है सुकून अपार,
भक्ति और श्रद्धा के रंग में,
रंग जाता है मन हर बार।

सूरज जब पहाड़ चूमे,
सुनहरी चादर ओढ़े गगन,
सोमेश्वर की इस धरती पर,
मिल जाए हर दिल को अपनापन।

देवभूमि की शान है तू,
प्यारा सा मेरा सोमेश्वर,
तेरी सुंदरता के आगे,
शीश झुकाए सारा संसार।

प्रियांशु भट्ट
सी.एस.ई.
(प्रथम वर्ष)

– युवा शक्ति और राष्ट्र निर्माण

देश का भविष्य उसके युवाओं के हाथों में होता है। युवा शक्ति किसी भी राष्ट्र की सबसे बड़ी ताकत होती है। युवाओं में जोश, ऊर्जा, नई सोच और बदलाव लाने की क्षमता होती है। अगर यह शक्ति सही दिशा में लगाई जाए, तो कोई भी देश तेजी से तरक्की कर सकता है।

आज भारत की आधी से ज्यादा आबादी युवा है। हमारे देश के लिए एक बड़ा अवसर है। युवा नई तकनीक को जल्दी अपनाते हैं, नए विचार लाते हैं और कठिन परिस्थितियों में भी हार नहीं मानते। शिक्षा, विज्ञान, खेल, राजनीति और समाज सेवा– हर क्षेत्र में युवा देश का नाम रोशन कर रहे हैं।

युवाओं की सबसे बड़ी जिम्मेदारी है कि वे खुद को शिक्षित रखें और नैतिक मूल्यों को अपनाएं। पढ़ाई के साथ–साथ अनुशासन, ईमानदारी और देशप्रेम भी जरूरी है। जब युवा नशा, हिंसा और गलत रास्तों से दूर रहते हैं, तभी वे सच्चे राष्ट्र निर्माता बनते हैं। राष्ट्र निर्माण केवल सरकार का काम नहीं है, बल्कि हर युवा का कर्तव्य है। स्वच्छता अभियान, पर्यावरण संरक्षण, डिजिटल साक्षरता और सामाजिक जागरूकता जैसे कार्यों में युवाओं की भागीदारी देश को मजबूत बनाती है।

अंत में यही कहा जा सकता है कि यदि युवा जागरूक, मेहनती और जिम्मेदार बनें, तो भारत को विकसित राष्ट्र बनने से कोई नहीं रोक सकता। युवा शक्ति ही राष्ट्र की असली शक्ति है।

नीलम तिवारी
सी.एस.ई.
(प्रथम वर्ष)

EDUCATION BEYOND BOOKS

Education beyond books shapes the whole person, not just the mind. It lives in conversations, epxerience, failures and curiosity sparked outside classrooms. Life teaches lessons no taxtbook can explain- empathy through relationships, resilience through setbacks, leadership through responsibility and creativity through exploration. Sports build discipline, art nurtures expression, travel broadens perspectives and community service instills compassion. In a fast-changing world, learning how to think, adapt and collaborate matters more than memorizing facts. True education encourages questioning, self-awareness and lifelong learning. When knowledge meets experience, education becomes meaningful, practical and powerful preparing individuals not just for careers, but for life itself.

Priya Sharma
CSE IInd Year

परीक्षा तनाव और मानसिक स्वास्थ्य

आज के समय में परीक्षा छात्रों के जीवन का अहम हिस्सा बन चुंकी है। अच्छे अंक लाने का दबाव, माता–पिता की उम्मीदें, प्रतियोगिता और भविष्य की चिंता–ये सब मिलकर छात्रों में परीक्षा तनाव (Exam Stress) पैदा करते हैं। यह तनाव अगर समय रहते नियंत्रित न किया जाए, तो मानसिक स्वास्थ्य पर बुरा असर डाल सकता है। परीक्षा तनाव के कारण कई छात्र घबराहट, नींद न आना, चिड़चिड़ापन, आत्मविश्वास की कमी और एकाग्रता में कमी महसूस करते हैं। कुछ मामलों में यह तनाव अवसाद (Depression) और चिंता (Anxiety) का रूप भी ले सकता हे, जो कि गंभीर समस्या है।

मानसिक स्वास्थ्य उतना ही जरूरी है, जितनी शारीरिक सेहत। अच्छे नंबर लाना जरूरी है, लेकिन अपनी सेहत की कीमत पर नहीं। छात्रों को पढ़ाई के साथ–साथ आराम, सही नींद, संतुलित भोजन और थोड़ी–बहुत physical activity को भी समय देना चाहिए। समय सारणी बनाकर पढ़ाई करने से तनाव काफी हद तक कम हो सकता है। इसके अलावा, अपने डर और परेशानियों को किसी भरोसेमंद व्यक्ति से साझा करना बहुत जरूरी है– चाहे वह दोस्त हों, परिवार या शिक्षक। जरूरत पड़ने पर काउंसलर की मदद लेनी कमजोरी नहीं, बल्कि समझदारी है।

अंत में यही कहा जा सकता है कि परीक्षा जीवन का एक हिस्सा है, पूरा जीवन नहीं। सकारात्मक सोच, आत्मविश्वास और सही मार्गदर्शन से परीक्षा तनाव पर काबू पाया जा सकता है। स्वस्थ मन ही सफलता की असली कुंजी है।

कोमल बोरा
सी.एस.ई. (प्रथम वर्ष)

''गिरने के नियम''

चीजों के गिरने के नियम होते हैं
मनुष्यों के गिरने के कोई नियम नहीं होते।
लेकिन चीज कुछ भी तय नहीं कर सकती अपने गिरने के बारे में
मनुष्य कर सकते हैं।

बचपन से ऐसी नसीहतें मिलती रही
कि गिरना हो तो घर में गिरो
बाहर मत गिरो
लिफाफे में बचे रहो।

यानी आंखों में गिरो
चश्मे में बचे रहो
यानी शब्दों में बचे रहो
अर्थों में गिरो।

कमल पलड़िया
इलेक्ट्रॉनिक्स इंजी० (द्वितीय वर्ष)

DARE TO DREAM

To Paint the Picutre of Your
Dream and close your eyes and let
Your imagination fly away
See a picture of where
You wish to be a one day.

Let the colour of your
Heart take command
Place it in your hand.

Hold on tightlyand nurture it.
But allow it room to grow
When you reach your dream.
Open your hand and let it go.

Close your eyes and search for
Another, caring for it as before.
Never stop searchng, achieving and
Leting go, for that's what dreams are for.

TAPASYA BISHT
Branch C.S.E.
IInd year

मेहनत का फल

मेहनत जीवन की सबसे बड़ी पूंजी है, जो व्यक्ति निरंतर परिश्रम करता है, उसे देर-सवेर सफलता अवश्य मिलती है। मेहनत का फल का अर्थ है कि मेहनत करने के पश्चात मिलने वाला सुखद परिणाम। बिना मेहनत किए कोई भी लक्ष्य प्राप्त नहीं किया जा सकता। जो मेहनत से नहीं डरता, सफलता उससे डरती है। मेहनत का फल कभी तुरंत नहीं मिलता, लेकिन जब मिलता है तो बहुत मीठा होता है।

सौरभ जलाल
इलेक्ट्रॉनिक्स इंजी० (द्वितीय वर्ष)

सच्चा राही

न धूप देखे, न छांव देखे,
न देखे पैरों के छाले,
सच्चा राही वही है जग में,
जो हर मुश्किल को अपना ले।

राह में कांटे तो आएंगे,
तूफ़ान भी शोर मचाएंगे,
पर जिसका धीरज न डोले
पर्वत भी शीश झुकाएंगे।

जो सत्य की मशाल हाथ में थामे,
अंधियारों से लड़ जाता है।
झूठ के आसान रस्तों पर
वह कभी नहीं मुड़ पाता है।

गिरते हुओं को उठाए जो,
भटके को राह दिखाए जो,
सिर्फ अपनी मंजिल पाना नहीं,
सबको साथ ले जाए जो।

हार को भी जो जीत सा माने
कोशिश को ही ईमान कहे,
मंजिल मिले या न मिले
पर सफर को ही पहचान कहे।

थकना उसको आता नहीं,
रुकना उसको भाता नहीं,
वह चलता है, बस चलता है,
समय भी उसको हराता नहीं।

दीपक बिष्ट
इलेक्ट्रॉनिक्स इंजी० (द्वितीय वर्ष)

"Life"

Life is a journey filled with ups and downs, where moments of happiness and periods of struggle come together to give true meaning to our existence. Every challenge we face shapes us, teaching resilience, patience and inner strength. Failures do not define who we are; instead, they refine us and prepare us for better days ahead. Change is an unavoidable part of life and learning to accept it helps us grow. Rather than chasing perfection, life teaches us to value progress, self-belief, and hope. In the end, life is not about having everything figured out, but about learning from experience, moving forward with courage and continuing the journey one step at a time.

Bhaskar Joshi
Elec. Engg. (III year)

संघर्ष की सच्ची जीत

हारना तब आवश्यक हो जाता है
जब लड़ाई अपनों से हो।
और जीतना तब आवश्यक हो जाता है
जब मंजिल अपने आप से हो।

मंजिले मिले, ये तो मुक्द्दर की बात है
हम कोशिश ही न करे ये तो गलत बात है।
किसी ने बर्फ से पूछा कि,
आप इतने ठंडे क्यूं हो ?

बर्फ ने बड़ा अच्छा जवाब दिया :
''मेरा अतीत भी पानी
मेरा भविष्य भी पानी
फिर गरमी किस बात पे रखूं।

हिमांशु नेगी
इलेक्ट्रॉनिक्स इंजी० (द्वितीय वर्ष)

YOUR BEST

If you always try your best
Then you'll never have to wonder
About what you could have done
If you'd summoned all your thunder

And if your best
was not as good
As you hoped it would be.
You still could say.
"I gave today
All that I had in me."

Sanjay Kumar
CSE (II year)

डिजिटल इंडिया

डिजिटल इंडिया एक प्रमुख सरकारी पहल है जो भारत को डिजिटल रूप से सशक्त बनाने पर केंद्रित है। यह 2015 में शुरु हुआ मिशन मैगजीन-स्टाइल सामग्री के लिए उपयोगी विषय प्रदान करता है।

उद्देश्य :
डिजिटल इंडिया का मुख्य लक्ष्य भारत को डिजिटल सशक्त समाज और ज्ञान-आधारित अर्थ व्यवस्था में बदलना है।यह ई-गवर्नेंस पहलों को एकीकृत करता है और सार्वजनिक निजी भागीदारी (PPP) को बढ़ावा देता है। तीन प्रमुख क्षेत्र हैं: डिजिटल अवसंरचना, शासन सेवाएँ और नागरिक सशक्तिकरण।

प्रमुख उपलब्धियाँ :
भारत अब डिजिटल अर्थव्यवस्था के आकार में विश्व में तीसरे स्थान पर है, जो 2030 तक GDP का 20% योगदान देगी। 2025 में इसकी 10वीं वर्षगांठ मनाई गई।

चुनौतियाँ और लाभ :
ग्रामीण क्षेत्रों में डिजिटल डिवाइड एक चुनौती है, लेकिन ऑनलाइन सेवाएँ पारदर्शिता बढ़ाती है। यह सरकारी सेवाओं को तेज और सुलभ बनाता है।

रुद्र गरजोला
इलेक्ट्रॉनिक्स इंजी० (द्वितीय वर्ष)

NEVER GIVE UP

If I made a mistake,
Then I would have to retake
And do it once again,
Even feel the pain

But there also lays a prize
and that made me realise that
Even if I was to fail
It would be a learning trail.

If I hope for medals and a cup,
I can't just rely on luck
I must do hardwork,
To show the world my worth

That's the essence for never giving up!

Anjali Mahara
CSE (II year)

''आत्म-प्रेरणा सशक्तिकरण का स्रोत है''

प्रेरणा एक बहुत शक्तिशाली साधन है, जिसका उपयोग हम जीवन में आगे बढ़ने और अपने सपनों और लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए कर सकते हैं। अपने लिए लक्ष्य निर्धारित करना मेरे लिए बहुत महत्वपूर्ण है, मेरा मानना है कि हमें जीवन में हमेशा आगे बढ़ते रहना चाहिए, न केवल शारीरिक रूप से बल्कि मानसिक रूप से भी। हम सभी के पास अपने अंतिम लक्ष्यों की ओर प्रेरित होने के लिए अलग-अलग चीजें या साधन होते हैं। प्रेरित रहने के लिए हमारे पास एक लक्ष्य होना चाहिए और उस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए दृढ़ संकल्पित होना चाहिए।

मेरे लिए, आत्म-प्रेरणा सशक्त बनाती है। कुछ ऐसा ढूंढना जो मुझे पसंद हो और जिसे मैं करना पसंद करती हूँ और उसे प्राप्त करने का अंतिम लक्ष्य निर्धारित करना। मेरा मुख्य लक्ष्य जो मैंने अभी निर्धारित किया है वह है अपना डिप्लोमा पूरा करना। इसके पीछे मेरी प्रेरणा एक बेहतर नौकरी पाने में सक्षम होना है।

मैं हर असाइनमेंट और काम को एक-एक करके पूरा करना सीख रही हूँ। बस जो काम हाथ में है, उसे पूरा करो और फिर अगले काम पर लग जाओ। मुझे लगता है कि ऐसा करके मैं अपना डिप्लोमा पूरा कर पाऊँगी और साथ ही यह भी जान पाऊँगी कि मुझे खुद पर भरोसा है कि मैं खुद को आगे बढ़ाऊँगी और अन्य लोगों को विशेषकर अपने जूनियर्स को भी प्रेरित करती रहूँगी।

टीना तिवारी
इलेक्ट्रॉनिक्स इंजी० (तृतीय वर्ष)

सौर ऊर्जा

आज ऊर्जा की बढ़ती माँग और पर्यावरण प्रदूषण की समस्या के कारण सोलर इनर्जी सबसे बेहतर और टिकाऊ विकल्प बनकर उभरी है, क्योंकि सूर्य से प्राप्त ऊर्जा न केवल नवीकरणीय है, बल्कि पर्यावरण के लिए भी सुरक्षित है और इस ऊर्जा को व्यवहारिक रूप से उपयोगी बनाने में इलेक्ट्रॉनिक्स की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण होती है। सोलर पैनल से प्राप्त ऊर्जा सीधे उपयोग के योग्य नहीं होती, इसलिए उसे नियंत्रित करने, संग्रहित करने और विभिन्न उपकरणों में प्रयोग करने योग्य बनाने के लिए चार्ज कंट्रोलर, इन्वर्टर, बैटरी मैनेजमेंट सिस्टम और पावर इलेक्ट्रॉनिक्स सर्किट जैसे इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों की आवश्यकता होती है, जहाँ सोलर पैनल सेमीकंडक्टर डिवाइस की मदद से सूर्य की रोशनी को विद्युत ऊर्जा में बदलता है, चार्ज कंट्रोलर बैटरी को ओवर–चार्जिंग और डीप–डिस्चार्जिंग से बचाता है, इन्वर्टर DC को AC में बदलकर घरों और उद्योगों में उपोग योग्य बनाता है तथा बैटरी दिन में बनी ऊर्जा को संग्रहित करके रात या बादल वाले मौसम में भी बिजली उपलब्ध कराती है। आज सोलर इलेक्ट्रॉनिक्स का उपयोग घरों के सोलर पावर सिस्टम, सोलर स्ट्रीट लाइट, सोलर मोबाइल चार्जर, सोलर पम्प और मोटर तथा बड़े सोलर पावर प्लांट में किया जा रहा है, जिससे प्रदूषण–मुक्त ऊर्जा प्राप्त होती है। बिजली बिल में कमी आती है, ग्रामीण क्षेत्रों में बिजली की उपलब्धता बढ़ती है और देश ऊर्जा आत्मनिर्भरता की ओर आगे बढ़ता है, हालाँकि सोलर सिस्टम की प्रारंभिक लागत अधिक होना, मौसम पर निर्भरता और बैटरी की सीमित आयु जैसी कुछ चुनौतियाँ भी मौजूद हैं। इसके बावजूद, उन्नत इलेक्ट्रॉनिक तकनीकों के निरंतर विकास से सोलर इनर्जी और अधिक सस्ती, टिकाऊ और प्रभावी बनती जा रही है और आने वाले समय में सोलर इनर्जी और इलेक्ट्रानिक्स का यह संयोजन भारत की ऊर्जा समस्या का एक स्थायी और मजबूत समाधान सिद्ध हो सकता है।

युवराज सिंह
इलै० इंजी० (तृतीय वर्ष)

Poem : Quiet and believe

Before the steel is poured or bolts are turned,
Before the circuit hums its steady song,
There is a quiet space where truths are earned,
And patience proves where logic might be worng.

It lives within the stillness of the pen,
The pause between the problem and the "Why?"
A faith that says we'll find the bridge again,
Between the dusty earth and open sky.

To build is to believe in things unseen --
Intension, torque and hidden laws of light,
The ghost fo math that lives inside the machine,
Holding fast through the pressure of the night.

So trust the silence while the vision clears;
The boldest structures aren't just stone and glass.
They're built of hope, refined through steady years,
Waiting for the quist dream to pass.

Tanju Bisht
Electronics. Engg. (II year)

''उड़ान की शुरुआत''

यह उम्र है सवालों की, सपनों के विश्वास की, खुद को पहचानने की, अपनी अलग पहचान की।
किताबों से आगे बढ़कर, जीवन को पढ़ना है, हर हार के बाद भी खुद पर भरोसा रखना है।

कभी डर आए मन में, राहें धुंधली लगें, तो याद रखना, ठोकरें ही रास्ता दिखा दें। जो रुक गए वे खो गए, जो चलत रहे वही जीते, मेहनत की आग मे ही सपनों के दीप जले।

कॉलेज की ये गलियाँ, केवल इमारत नहीं, यहाँ बनती है सोच नई, यहाँ टूटती है कमी।
दोस्ती, संघर्ष, अनुभव, हरपल कुछ सिखाते हैं, अनजाने से बच्चे यहाँ, जिम्मेदार बन जाते हैं।

सपनों को मत तौलो तुम, हालात के तराजू में, हौसले रखो ऊँचे तुम, गिरते–गिरते बाजू में।
आज जो पसीना बहा, कल वो पहचान बने, हर छोटा–सा प्रयास ही, बड़ी उड़ान बने।

समय से पहले हार मानना, सबसे बड़ी भूल है, खुद पर विश्वास रखना, यही सबसे बड़ा मूल है।
जो कल था वो बीत गया, आज को अपनाओ तुम, भविष्य तुम्हारा इंतज़ार में, आगे बढ़ जाओ तुम।

उठो युवा, अब जागो तुम, कल तुमसे ही आएगा, तुम्हारे कर्मों से ही तो, नया इतिहास बनाएगा।
कॉलेज से शुरु हुई यह, उड़ान रुके ना कहीं, क्योंकि सपनों की कोई भी, अंतिम सीमा नहीं।

हिमानी जोशी
इलै० इंजी० (तृतीय वर्ष)

हार और जीत

हार से डरना छोड़ दो, यही सफलता की पहचान है।
जो गिरकर फिर उठ जाता है, वही सच्चा महान है।।

हार हमें सिखलाती है, गलतियों को सुधारना।
और जीत बताती है, मेहनत का फल पाना।।

जिसने हार को अपनाया, वही जीत को पाया है।
संघर्षों से जो टकराया, उसने इतिहास बनाया है।

इसलिए हार न मानो कभी, जीत जरूर आएगी।
धैर्य, मेहनत और विश्वास से, हर मुश्किल मिट जाएगी।

दीपक पाण्डे
इलै० इंजी० (द्वितीय वर्ष)

"Social Media वरदान या अभिशाप''

भूमिका **(Introduction)**

आज का युग डिजिटल युग है। मोबाइल और इंटरनेट ने हमारी ज़िंदगी को बहुत आसान बना दिया है। Social Media–जैसे Facebook, Instrgram, YouTube– आज हर इंसान की दिनचर्या का हिस्सा बन चुके हैं। लेकिन सवाल यह है कि Social Media हमारे लिए वरदान है या फिर अभिशाप?

Social Media एक वरदान

Social Media से जानकारी पाना बहुत आसान हो गया है।

Online education, free courses से जानकारी पाना बहुत आसान हो गया है। और Career guidance मिलती है।

लोग अपने Talent ओर Creativity दुनिया के सामने दिखा सकते हैं।

दूर बैठे रिश्तेदारों और दोस्तों से जुड़ना आसान हुआ है।

छोटे Bisuness और Creators को पहचान मिल रही है।

Social Media एक अभिशाप

ज्यादा इस्तेमाल से addiction बढ़ रहा है।

Students का ध्यान पढ़ाई से भटक रहा है।

Fake news और गलत जानकारी फैलती है।

Mental Health पर बुरा असर पड़ता है– Strees, Anxiety, lonelinessl

Real life relationships कमजोर हो रही हैं।

युवाओं पर प्रभाव

आज का युवा Social Media से सबसे ज़्यादा प्रभावित है।

जहाँ एक ओर यह उन्हें आगे बढ़ने का मौका देता है, वहीं दूसरी ओर तुलना, दिखावा और Likes-followers का दबाव भी बढ़ाता है। सही और गलत के बीच संतुलन बनाना बहुत जरूरी है।

समाधान (solution)

Social Media का सीमित और सही उपयोग

Fake Content से दूरी बनाए रखें।

Real life को priority दें।

Knowledge और skill बढ़ाने के लिए Social Media का उपयोग करें।

निष्कर्ष (Conclusion)

Social Media न तो पूरी तरह वरदान है आर न ही पूरी तरह अभिशाप।

यह सब हमारे उपयोग पर निर्भर करता है।

अगर हम इसे सही दिशा में इस्तेमाल करें, तो Social Media हमारी जिन्दगी बदल सकता है।

दीपांशु बिष्ट
इलै० इंजी० (तृतीय वर्ष)

Electronic Vehicle (Electric Vehicle)

भूमिका **(Introduction)**

आज बढ़ते प्रदूषण और ईंधन की कमी के कारण Electronic Vehicle (EVs) भविष्य का सबसे बेहतर परिवहन साधन बनते जा रहे हैं। ये वाहन पेट्रोल–डीजल की जगह बिजली और इलेक्ट्रॉनिक्स पर आधारित होते हैं, जिससे पर्यावरण सुरक्षित रहत है और ऊर्जा की बचत होती है।

Electronic Vehicles में **Electronics** की भूमिका

EVs का पूरा संचालन इलेक्ट्रॉनिक सिस्टम पर निर्भर करता है।
बिना Electronics के EV की कल्पना ही नहीं की जा सकती है।
मुख्य रूप से Power electronics, control systems और sensors का उपयोग होता है।

Electronic Vehicle के मुख्य इलेक्ट्रॉनिक भाग

1 Battery Pack
EV में Lithium-ion battery का उपयोग होता है, जो ऊर्जा को संग्रहित करता है।
2. Motor Controller
यह बैटरी से मिलने वाली बिजली को नियंत्रित कर मोटर की Speed और torque तय करता है।
3. Electric Motor
यह विद्युत ऊर्जा को यांत्रिक ऊर्जा में बदलकर वाहन को चलाता है।
4. Inverter
DC को AC में बदलने का काम करता है, जिससे मोटर सही तरीके से काम कर सके।
5. Battery Management System (BMS)
यह बैटरी की Safety, temperature और Charging को नियंत्रित करता है।

Electronic Vehicle के उपयोग

1 Battery Pack Electric Cars
Electric Scooters & Bikes
Electric buses
E-rickshaw
Industrial electric Vehicle

Electronic Vehicles के लाभ

प्रदूषण मुक्त
ईंधन की बचत
कम running Cost
कम noise
भविष्य की Sustainable technology

कुछ चुनौतियाँ

Charging infrastructure की कमी
Battery की लागत
Charging time
लम्बी दूरी में सीमित उपयोग

निष्कर्ष (Conclusion)

Electronic Vehicle और Electronics का संयोजन भविष्य के परिवहन की दिशा तय कर रहा है।

जैसे–जैसे इलेक्ट्रॉनिक तकनीक उन्नत होगी, EVs और अधिक सस्ते, सुरक्षित और प्रभावी बनेंगे। EVs न केवल तकनीकी क्रांति है, बल्कि स्वच्छ भविष्य की ओर एक मजबूत कदम भी है।

विशाल आर्या
इलै० इंजी० (तृतीय वर्ष)

मन पर नियंत्रण

मनुष्य का मन अत्यंत चंचल होता है। यह कभी भूतकाल में उलझ जाता है तो कभी भविष्य की चिंताओं में भटकने लगता है। मन पर नियंत्रण करना जीवन की सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक है, लेकिन यही सफलता और शांति की कुंजी भी है।

जब मन पर नियंत्रण नहीं रहता, तब क्रोध, तनाव, डर और नकारात्मक विचार हमें घेर लेते हैं। ऐसे में सही निर्णय लेना कठिन हो जाता है। इसके विपरीत, नियंत्रित मन हमें धैर्य, आत्मविश्वास और सकारात्मक सोच प्रदान करता है।

मन पर नियंत्रण के लिए आत्म–अनुशासन बहुत आवश्यक है। ध्यान (मेडिटेशन), योग, नियमित व्यायाम और सकारात्मक विचार मन को शांत करने में मदद करते हैं। अपने लक्ष्य को स्पष्ट रखना और सही उपयोग करना भी मन को भटकने से बचाता है। अच्छी संगति और प्रेरणादायक पुस्तकों का अध्ययन भी मन को सही दिशा देता है। आज के डिजिटल युग में मोबाइल और सोशल मीडिया मन को सबसे अधिक विचलित करते हैं। इसलिए उनका सीमित और सही उपयोग करना भी मन पर नियंत्रण पाने का एक महत्वपूर्ण तरीका है।

निष्कर्ष :

जिस व्यक्ति का मन उसके नियंत्रण में होता है, वही जीवन में सच्ची सफलता और शांति प्राप्त करता है। मन पर नियंत्रण आत्म –विकास की पहली सीढ़ी है और इसके बिना जीवन अधूरा है।

अभिषेक सती
इलै० इंजी० (द्वितीय वर्ष)

Cyber Security

Cybersecurity is the practice of protecting computers, networks and data from digital attacks. In involves technologies, processed and human behavior designed to prevent unauthorized access, theft, damage or disruption. As societies rely more on the internet, cybersecurity safeguards personal privacy, business operations and critical infrastructure. Common threats include malware, phishing, ransomware and data breaches. Effective cybersecurity combines strong passwords, encryption, software updates, user awareness and incident response planning. It is an ongoing effort, because attackers constantly evolve their methods, making vigilance, education and adaptability essential for individuals, organizations and governments worldwide today across every connected industry, sector, community and economy.

Krishna Adhikari
C.S.E. (IInd year)

Annual Sports Meet 2025-26

गत वर्षों की भाँति इस वर्ष भी राजकीय पॉलीटेक्निक कोटाबाग में संस्था स्तरीय वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता 2025-26 का आयोजन किया गया, जिसके लिए सर्वप्रथम दिनांक 09-10-2025 को प्रधानाचार्य महोदय द्वारा कार्यक्रम को सफल बनाने हेतु की जाने वाली तैयारियों पर चर्चा हेतु एक मीटिंग ली गयी, जिसमें क्रीड़ा अधिकारी श्री आशीष भारद्वाज, क्रीड़ा प्रभारी श्री चारु चन्द्र पाण्डे सहित संस्था के सभी अधिकारियों/कर्मचारियों द्वारा प्रतिभाग किया गया एवं कार्यक्रम को सफल बनाने हेतु छात्रों को प्रोत्साहित करने एवं पूर्ण सहयोग प्रदान करने की प्रतिबद्धता व्यक्त की गई। तत्पश्चात् दिनांक 16-10-2025 को दो दिवसीय वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता 2025-26 का शुभारम्भ मार्चपास के साथ हुआ, जिसमें आर्यभट्ट, भाभा, रमन एवं विश्वेश्वरैया चारों भवनों के छात्र/छात्राओं द्वारा प्रतिभाग किया गया।

दो दिवसीय इस वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता में दौड़ (100 मी०, 200 मी०, 400 मी०) कूद (लम्बी, ऊँची), थ्रो (गोला, भाला, चक्का) बॉलीबॉल, बैडमिन्टन, टेबल टेनिस आदि प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया, जिसमें चारों भवनों के खिलाड़ियों ने पूर्ण उत्साह के साथ बढ़-चढ़कर प्रतिभाग किया। साथ ही संस्था के अधिकारियों/कर्मचारियों द्वारा भी विभिन्न प्रतियोगिताओं में निर्णायक की भूमिका का निर्वहन किया गया।

खेलकूद प्रतियोगिता के पुरुष वर्ग में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले प्रियांशु जन्तवाल, इलैक्ट्रानिक्स इजी०, तृतीय वर्ष को Boy's Champion एवं महिला वर्ग में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाली इलैक्ट्रॉनिक्स इंजी० ब्रांच की तृतीय वर्ष की छात्रा हिमानी जोशी को Girl's Champion का खिताब दिया गया।

इसी प्रकार चारों भवनों में से सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले रमन भवन/सदन को House Championship प्रदान की गयी। इसी के साथ दो दिवसीय इस खेलकूद प्रतियोगिता का समापन दिनांक 17-10-2025 को प्रधानाचार्य महोदय के समापन भाषण के साथ सम्पन्न हुआ, जिसमें उन्होंने क्रीड़ा अधिकारी, क्रीड़ा प्रभारी एवं संस्था के समस्त अधिकारियों / कर्मचारियों को वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता 2025-26 को सफलतापूर्वक सम्पन्न कराने हेतु शुभकामनाएं दी एवं जीवन में खेलों के महत्व पर प्रकाश डाला व कॉलेज में होने वाली आगामी प्रतियोगिताओं में और अधिक उत्साह के साथ प्रतिभाग करने हेतु प्रेरित किया।

Year 2025-26

1. **House Champion - Raman House**
2. **Boys Champion - Priyanshu Jantwal (Elex IIIrd year)**
3. **Girls Champion - Himani Joshi (Elex IIIrd year)**

Annual Sports Meet 2025-26

S.N.	Event	Winner	Branch/Year (Sem)
1.	100M Race (BOYS)	PRINYANSHU TIWARI	ELEX 2nd Year
2.	100M RACE (GIRLS)	HIMANI JOSHI	ELEX 3rd Year
3.	200M RACE (BOYS)	PRINYANSHU TIWARI	ELEX 2nd Year
4.	200M RACE (GIRLS)	HIMANI JOSHI	ELEX 3rd Year
5.	400M RACE (BOYS)	PRINYANSHU TIWARI	ELEC 2nd Year
6.	400M RACE (GIRLS)	GEETA	CSE 3rd Year
7.	LONG JUMP (BOYS)	PRINYANSHU JANTWAL	ELEX 3rd Year
8.	LONG JUMP (GIRLS)	HIMANI JOSHI	ELEX 3rd Year
9.	HIGH JUMP (BOYS)	BHASHKAR JOSHI	ELEX 3rd Year
10.	HIGH JUMP (GIRLS)	HIIMANI JOSHI	ELEX 3rd Year
11.	JAVELIN THROW (BOYS)	DIVYANSHU	CSE 3rd Year
12.	JAVELIN THROW (GIRLS)	GEETA	CSE 3rd Year
13.	DISC THROW (BOYS)	PRIYANSHU JANTWAL	ELEX 3rd Year
14.	DISC THROW (GIRLS)	MANSHI RAWAT	CSE 3rd Year
15.	SHOT PUT (BOYS)	PRIYANSHU JANTWAL	ELEX 3rd Year
16.	SHOT PUT (GIRLS)	MANSI RAWAT	CSE 3rd Year
17.	TABLE TENNIS (BOYS)	RUDRA	ELEX 2nd Year
18.	TABLE TENNIS (GIRLS)	HIMANI JOSHI	ELEC 3rd Year
19.	BADMINTON (BOYS)	KAMAL CHANDRA	ELEX 2nd Year
20.	BADMINTON (GIRLS)	HIMANI JOHSI	ELEX 3rd Year
21.	RELAY RACE (BOYS)	BHABHA HOUSE	
22.	VOLLEY BALL (BOYS)	RAMAN HOUSE	

Sports Meet 2026

TOURIST

Toppers - 2025

Deepak Negi
Computer Science & Engg.

Manish Singh Bisht
Electronics Engg.

C868+W37, Ramnagar Nainital Bypass,
Kotabagh, Gotia, Uttarakhand 263159,
Lat: 29.41221, Lng: 79.31507
15/04/26 11:13:33 AM
GMT+05:30